दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-26 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 16 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति सच बोलने का साहस रखता है, वही बदलाव की शुरुआत करता है; क्योंकि मौन अक्सर सुविधा देता है, लेकिन सच ही समाज को दिशा देता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

वो लुटेरे हमसे क्या बात करेंगे: सीएम भजनलाल

कांग्रेसी खुद भ्रष्टाचार के जननायक है, इसकी नींव पर काम करने वाली पार्टी को बोलने का अधिकार नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । सरकार के दो साल पूरे होने पर प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस हॉस्पिटल परिसर में हुए राज्य स्तरीय आरोग्य शिविर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेसियों को लुटेरा बताया। उन्होंने कहा कि वो लुटेरे हमसे बात क्या करेंगे, जो भ्रष्टाचार के जननायक है। इससे पहले सीएम भजनलाल शर्मा ने अपने 2 साल के कार्यकाल और कांग्रेस के 5 साल के कार्यकाल में हुए कामों का जिक्र किया।

भ्रष्टाचार की नींव पर काम करने वाली पार्टी को बोलने का अधिकार नहीं उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की नींव पर काम करने वाली पार्टी को बोलने का अधिकार नहीं है।

एक-दो लोग तो केवल बोलते ही बोलते हैं- भजनलाल

उन्होंने कांग्रेस के नेताओं पर हमला करते हुए कहा, कि एक-दो लोग तो ऐसे हैं जो केवल बोलते ही बोलते हैं। एक-दो ऐसे हैं जिनके पास कहने को तो कुछ नहीं होता, वो केवल ट्वीट करते हैं।

हमारे कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं- सीएम भजनलाल

युवाओं के मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में युवाओं का भविष्य पेपर लीक की भेंट चढ़ता रहा, लेकिन भाजपा सरकार के दो साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। युवाओं को पारदर्शी भर्तियां और रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं और आने वाले समय में और भर्तियां होंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिना नाम लिए पूर्व सीएम गहलोत पर हमला बोलते हुए कहा कि दो साल में भाजपा सरकार ने वह काम कर दिखाया, जो कांग्रेस पांच साल में भी नहीं कर सकी।

कांग्रेस के समय मिली लूट की छूट

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान योजनाओं में जमकर गड़बड़ियां हुईं, जिनकी कीमत आमजन को चुकानी पड़ी। आरजीएचएस योजना में सामने आई अनियमितताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार में निजी अस्पतालों को खुली लूट की छूट मिली हुई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने ऐसे हॉस्पिटलों और डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की है और आगे भी कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

पूर्व-सरपंच के भतीजे ने बनाई 100 करोड़ की ड्रग्स फैक्ट्री: 10 किलो MD, केमिकल और मशीनें मिली;

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । महाराष्ट्र पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल (ANC) ने राजस्थान में MD ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री पकड़ी है। यह फैक्ट्री एक मुर्गी फार्म में लगाई गई थी। यहां से 10 किलो ड्रग्स और मशीनों समेत 100 करोड़ की सामग्री जब्त की है। यह फैक्ट्री पूर्व सरपंच का भतीजा चला रहा था। उसने पूछताछ में बताया कि 15 दिन पहले ही इस फैक्ट्री में काम शुरू किया था। उसके साथी ने उससे 50 हजार रुपए किराए पर ये फैक्ट्री ली थी।

आरोपी रविवार को सुबह 1 किलो एमडी ड्रग्स सप्लाई करने सीकर पहुंचा तो पुलिस ने उसे कलेक्ट्रेट के सामने पकड़ लिया। इसके बाद तस्कर खुद पुलिस को फैक्ट्री तक लेकर गया। मामला झुंझुनूं के धनूरी थाना इलाके का है।

मुर्गी फार्म पर बनाई फैक्ट्री

मीरा भायंदर-वसई विरार (MBVV) पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक ने बताया- मामले में अनिल सिहाग (31) निवासी नांद का बास, झुंझुनूं को पकड़ा है। अनिल ही यहां MD ड्रग्स बना रहा था। पुलिस टीम ने फैक्ट्री से करीब 10 किलोग्राम MD ड्रग्स, इसके केमिकल और मशीनें जब्त की है। इन सभी की कीमत करीब 100 करोड़ आंकी गई है।

बोला- दोस्त ने 50 हजार किराए पर ली जगह

डोडा-चूरा तस्कर था अनिल

जांच में सामने आया कि अनिल सिहाग 12 वीं पास है और खेतीबाड़ी करता है। अनिल 2016-17 में अपने चाचा सुरेश सिहाग के मुर्गी फार्म में काम करने लगा था। इसी दौरान वह अपने दोस्त सुभाष जाट निवासी बाजला के संपर्क में आया। सुभाष की 'मीनू ट्रेवल्स' नाम से बसें चलती थीं। सुभाष अपनी कार में नीमच से डोडा-पोस्त लाता था। इस दौरान वह भतीजे अनिल को भी साथ ले जाने लगा। अनिल ने सुभाष के साथ 5-7 चक्कर लगाए। इसके लिए उसे प्रति चक्कर 5 हजार रुपए मिलते थे। वे डोडा पोस्त को बगड़ रोड पर होटल और ढाबों पर सप्लाई करते थे। अनिल ने नीमच में हाईवे पर स्थित एक ढाबा मालिक पप्पू गुर्जर से संपर्क बनाया और खुद डोडा-पोस्त लाना शुरू कर दिया। वह एक पुरानी स्विफ्ट गाड़ी में डोडा पोस्त भरकर लाता था और तारानगर में अपने जानकार विकास जाट को बेचता था। इसमें उसे प्रति किलो 500 से 700 रुपए की बचत होती थी। इस धंधे के दौरान एक बार सादुलपुर (चूरू) में पुलिस ने उसकी कार को रुकवाया तो वह भाग निकला और उसका साथी प्रदीप बलोदा पकड़ा गया। बाद में पुलिस ने अनिल को भी गिरफ्तार कर लिया।

चित्तौड़गढ़ कलेक्ट्रेट को मिली बम से उड़ाने की धमकी

मेल में लिखा- पांच बम रखे हैं, दिन में होगा ब्लास्ट, उदयपुर से पहुंची एटीएस की टीम

भीम प्रज्ञा न्यूज

चित्तौड़गढ़ । चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद अलर्ट जारी कर दिया है। ये धमकी भरा ई-मेल रविवार रात 12 बजकर 47 मिनट पर चित्तौड़गढ़ कलेक्टर की एनआईसी वाले मेल पर आया था। एडिशनल एसपी सरिता सिंह ने बताया कि मेल में लिखा था कि पांच बम कलेक्ट्रेट में रखे है। दिन में ये ब्लास्ट होंगे। सोमवार सुबह 10:30 बजे एडीएम प्रभा गौतम ने इसके बारे में बताया। इसके बाद डीएसटी, लोकल आईबी की टीम ने सर्च किया। उदयपुर से एटीएस की टीम भी मौके पर पहुंची। ईआरटी टीम की ओर से सर्च किया जा रहा

है। इसके अलावा बम डिस्पोजल टीम और डॉग स्क्वायड टीम चित्तौड़गढ़ पहुंची। सुरक्षा टीमों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय और आसपास के पूरे परिसर में सघन सर्च अभियान चलाया। कलेक्ट्रेट के सभी कमरों, गलियारों, पार्किंग एरिया और खुले स्थानों की बारीकी से जांच की गई। डॉग स्क्वायड की मदद से हर संदिग्ध स्थान को खंगाला गया, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक की मौजूदगी को समय रहते पकड़ा जा सके। धमकी में 5 बम प्लांट करने की बात कही गई।

सिविल सेवा परीक्षा: प्रदेश से 7 महिलाएं बनीं आईएएस, सभी को दूसरे राज्यों का कैडर मिला

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । प्रदेश में आईएएस चयन में इस बार ओबीसी के अभ्यर्थियों ने अच्छी छलांग लगाई है। प्रदेश में इस बार 21 युवाओं को आईएएस की रैंक मिली है, इनमें से 10 युवा ओबीसी से हैं। 21 में से 7 महिलाएं आईएएस बनीं है, सभी को दूसरे राज्यों का कैडर मिला है। हालांकि, देशभर में आईएएस में सामान्य श्रेणी के युवाओं को सबसे अधिक जगह मिली है। कुल 179 आईएएस में से सामान्य श्रेणी के 84 युवा हैं। वहीं, ओबीसी से 57, एससी से 25 और एसटी से 13 युवाओं को आईएएस में स्थान मिला है। उधर, प्रदेश से चयनित 21 युवाओं में से 10 ओबीसी, सामान्य से 5, एससी से 2 और एसटी से 4 को आईएएस में जगह मिली है। आईएएस बनी सात महिलाओं में सामान्य और एससी से एक-एक और पांच ओबीसी से हैं। आंकड़ों के लिहाज से आईएएस अधिकारी बनने की होड़ में इस बार राजस्थान का प्रदर्शन पिछले साल की तुलना में थोड़ा कमजोर ही रहा। यूपीएससी के सिविल सेवा परीक्षा-2024 में चयनित अभ्यर्थियों में से 179 अधिकारियों को आईएएस की रैंक दी गई है। इसमें राजस्थान के 21 युवा शामिल हैं। पिछले साल यानी यूपीएससी-2023 में 23 युवाओं को आईएएस की रैंक मिली थी।

चयनित 21 आईएएस में राजस्थान से 7 महिलाएं

प्रदेश में 21 आईएएस अधिकारियों में से दो को ही गृह राज्य का कैडर मिला है। इसमें उत्कर्ष यादव और उमेश कुमार मीना शामिल हैं। बाकी 19 अधिकारियों को दूसरे राज्यों में लगाया गया है। इनमें त्रिलोक सिंह, अंजू, नरेश गोयल, हरिओम पंड्या, सिद्धार्थ पोखरना, रेखा सियाक, अपूर्वा सिंह, रामभरोस सहारण, पियूष घटला, जितेंद्र कुमार, प्रज्ञा सैनी, जितेंद्र कुमावत, ज्योति, ममता, टीना कल्याण, अमित मीना, अभिषेक और दिव्यांश शामिल हैं।

कैडर बदल सकते हैं?

आईएएस कैडर बदलने का अधिकार केंद्र के पास सुरक्षित है। वह राज्य सरकार के परामर्श से तबादला दूसरे राज्य में कर सकती हैं। इसमें विवाह या फिर अत्यधिक कठिनाई के आधार हो सकते हैं।

प्रदेश में IAS की कमी

प्रदेश में 332 आईएएस का कैडर है, 278 पद भरे हैं। 23 केंद्रीय प्रतिनियुक्ति, दो इंट्रा स्टेट, 1 आईएएस इंटर स्टेट प्रतिनियुक्ति पर हैं। इस लिहाज से प्रदेश में फील्ड पोस्टिंग के लिए 250 ही अधिकारी रह गए हैं।

उप जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । राज्य सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के उपलक्ष में पर उप जिला चिकित्सालय अटरु में आरोग्य आयुष्मान शिविर एवं परिवार कल्याण कैंप और रक्तदान शिविर का आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 15 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ।साथ ही आरोग्य शिविर में 679 मरीजों को परामर्श एवं उपचार दिया गया। परिवार कल्याण शिविर में 27 महिला नसबंदी व दो पुरुष नसबंदी के साथ शिविर संपन्न हुआ। चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. केशव राज नागर के द्वारा रक्तदान शिविर का शुभारंभ हुआ। रक्तदान शिविर में नर्सिंग ऑफिसर हरिमोहन शाक्यवाल, राजेंद्र कुमार रेगर, सुरेन्द्र नागर, हरिशंकर नागर, हुकुमचंद मीणा, अर्जुन खरारा, लैब टेक्नीशियन रंगलाल मेघवाल, सौरभ सुमन, गोविन्द नागर, जितेंद्र मालव, समाज सेवी सुरेंद्र बरखेड़ी ने विशेष रूप से सहयोग किया। नसबंदी कैंप टीम से फीमेल स्टाफ ने रक्तदान किया जिसमें लक्ष्मी कुमारी गोविंद कंवर एवं इशरत ने रक्तदान किया। शहिद राजमल मीणा जिला चिकित्सालय बारां ब्लड बैंक टीम से नर्सिंग ऑफिसर संजय मेघवाल ने रक्त संग्रहण का कार्य किया।

केंद्रीय विद्यालय, बड़ोपल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया केवीएस का स्थापना दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । केंद्रीय विद्यालय, बड़ोपल में केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्थापना दिवस को हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य अश्वनी कुमार सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। प्राचार्य ने अपने संबोधन में संगठन के स्थापना उद्देश्यों, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं मूल्यों पर बल देते हुए विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वागत भाषण, केंद्रीय विद्यालय गीत, नृत्य, कविता पाठ, विज्ञान गतिविधियां एवं अनेक प्रस्तुतियों के माध्यम से विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं और उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। विद्यालय के शिक्षक सुरेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और केंद्रीय विद्यालय संगठन के इतिहास की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने शानदार और ज्ञानवर्धक प्रदर्शनी का आयोजन किया।

माता के मंगल गीत गाकर महिलाओं ने लगाई चुनडी में बूटियां

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटीद्य

सुमेर मीणा । शहर के 3 नम्बर चुंगी के पास मिश्रावाली ढाणी में मां शाकम्बरी की 3 जनवरी 2026 को गणपती मैरिज गार्डन जमात, उदयपुरवाटी से सकराय धाम जाने विशाल चुनडी यात्रा की तैयारियों जोर शोर से चल रही है। रामकुमार सैनी के घर पर मां शाकम्बरी की चुनडी में महिलाओं ने मंगल गीत गाकर और प्रसाद का भोग लगाकर बूटियां लगाई गई। जिसमें शान्ति देवी, मीरा देवी, शोपाली देवी, भागोती देवी, संतरा देवी, सरोज देवी, कोमल सैनी, पिंकी सैनी, दुर्गा कुमारी आदि मौजुद रहीं।

नीमराना में ई-कचरा संग्रहण अभियान का शुभारंभ: LiFE-2025 पहल के तहत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना?

रमेशचंद्र । राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (RSPCB), कोटपूतली-बहरोड के क्षेत्रीय कार्यालय ने राष्ट्रीय पहल 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (LiFE)-2025' के तहत ई-कचरा संग्रहण अभियान का शुभारंभ किया है। इस अभियान के तहत RSPCB कोटपूतली-बहरोड क्षेत्रीय कार्यालय, नीमराना में ई-कचरा संग्रहण केंद्र स्थापित किया गया है। यह पहल एम/एस ग्रीन पीसी, एक अधिकृत ई-कचरा रीसाइकलर के सहयोग से की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक कचरे के वैज्ञानिक, सुरक्षित और पर्यावरणीय रूप से सुदृढ़ प्रबंधन को बढ़ावा देना है, साथ ही उद्योगों और हितधारकों के बीच जिम्मेदार निपटान प्रथाओं को प्रोत्साहित करना है। RSPCB के अधिकारियों, अधिकृत रीसाइकलर के प्रतिनिधियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में अभियान का शुभारंभ किया गया, जिन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्थायी कचरा प्रबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। कोटपूतली-बहरोड क्षेत्र के सभी औद्योगिक इकाइयों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, संस्थानों और अन्य हितधारकों से आग्रह किया जाता है कि वे अपने उत्पन्न ई-कचरे - जैसे कि

पुराने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर, परिधीय उपकरण और अन्य विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं - को निर्धारित संग्रह केंद्र पर जमा करें। यह जोर दिया गया कि ई-कचरा (प्रबंधन) नियमों का पालन, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया जाता है, उद्योगों और बड़े उपभोक्ताओं के लिए अनिवार्य है। इस अभियान में भाग लेने से न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान मिलेगा, बल्कि उद्योगों को ई-कचरा प्रबंधन से संबंधित उनके कानूनी दायित्वों को पूरा करने में भी मदद मिलेगी। RSPCB सभी संबंधित हितधारकों से आग्रह करता है कि वे आगे आएं और LiFE-2025 पहल का हिस्सा बनें, जो एक स्वच्छ, हरित और स्थायी पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी को मजबूत करता है।

शाहजहांपुर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का शुभारंभ, नर्सिंग स्टाफ की कमी पर मिली आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शाहजहांपुर में भजनलाल सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रतिनिधि भाजपा एवं प्रधान नीमराना बलवान यादव रहे, जबकि अध्यक्षता वीरमती यादव, सरपंच शाहजहांपुर ने की। कार्यक्रम का नेतृत्व अजीत यादव, पूर्व सरपंच जौनायचा कलां ने किया। शिविर का आयोजन खंड मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नीमराना डॉ. शेवेन्द्र सिंह यादव, संस्था प्रभारी डॉ. विक्रम यादव, अस्पताल प्रबंधक गणेश कुमार यादव तथा वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी सत्यवीर सिंह यादव के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधक गणेश कुमार यादव ने मुख्य अतिथि के समक्ष नर्सिंग अधिकारियों की कमी की मांग को प्रभावी ढंग से दोहराया, जिस पर बलवान यादव ने तुरंत राजस्थान सरकार के चिकित्सा मंत्री से वार्ता का समय तय कर समाधान का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में सभी अतिथियों का भारतीय संस्कृति के अनुरूप सम्मान किया गया। बालिकाओं द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस कार्यक्रम में डॉ महेंद्र महावर, डॉ योगिता चोपड़ा, रूपेश यादव चेयरमैन आक्सफोर्ड स्कूल, नाहर सिंह चौहान अध्यक्ष मार्केट कमेटी, सामाजिक कार्यकर्ता दीपक यादव, रविन्द्र यादव वरिष्ठ लैब टेक्नीशियन, भूपसिंह लैब प्रभारी, कैलाश चंद्र कनिष्ठ लेखाकार, राजीव शर्मा कनिष्ठ सहायक, शर्मिला यादव, केला यादव, निर्मला यादव, संजय यादव रेडियोलॉजी के प्रभारी, दीपक यादव, अंशुल यादव, रविन्द्र टेकाडिया, संदीप यादव, राकेश चौधरी, रवि यादव, भूपसिंह सीएचओ, धर्मेन्द्र यादव शिक्षाविद् व सैकड़ों की संख्या में उपस्थित छात्राओं सहित सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन गणेश कुमार यादव ने किया। संस्था प्रधान डॉ. विक्रम यादव ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर के तहत संचालित समस्त सरकारी योजनाओं की जानकारी विस्तार से दी। मुख्य अतिथि बलवान यादव ने सीएचसी शाहजहांपुर के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा मरीजों के प्रति प्रदर्शित समर्पण भाव की सराहना करते हुए इसे जिले की एक उत्तम स्वास्थ्य संस्था बताया।

चिड़ावा में मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर भव्य रक्तदान शिविर, युवाओं में रक्तदान के प्रति उत्साह

शिविर में युवाओं द्वारा 182 यूनिट ब्लड हुआ संग्रहित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जन्मदिवस एवं राज्य सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन पखवाड़े के तहत चिड़ावा शहर के स्वामी विवेकानंद चौक स्थित हरिदास सेवा सदन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं का जोश और उत्साह देखने को मिला। शिविर

में दर्जनों युवा बढ़-चढ़कर रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दे रहे थे। ?शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान जैसे पुनीत कार्य के प्रति लोगों को जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों की जान बचाना है। रक्तदाताओं का हौसला अफजाई करने के लिए मुख्य अतिथि भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया एवं शिविर आयोजक सुरेश भूकर प्रत्येक रक्तदाता को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिविर की सबसे बड़ी खासियत रही युवा रक्तदाता वरुण राय बिन्नी का 90वीं बार रक्तदान करना, जिससे उन्होंने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया और अन्य युवाओं को प्रेरित किया। यह संदेश शिविर में हर तरफ गूंज रहा है। यह शिविर न केवल मुख्यमंत्री के जन्मदिवस एवं सरकार के दो वर्ष के सफल कार्यकाल का उत्सव है, बल्कि रक्तदान की महत्ता को समाज में फैलाने का एक सराहनीय प्रयास भी साबित हो रहा है। रक्तदान शिविर में डीएसएम ब्लड बैंक, पायल ब्लड बैंक की टीमों द्वारा रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गिरधर, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, सुनील भूकर, युवा उद्यमी दिनेश दाधीच, सरपंच प्रतिनिधि अनूप नेहरा, विकास कटेवा, मुकेश खंडेलवाल, रमेश स्वामी, युवा प्रवक्ता विकास पायल, दीपक नेहरा, विपुल अग्रवाल, निरंजन स्वामी ओजटू, राजेश सैनी, पृथ्वी राज शर्मा, संदीप कटेवा, वरुण राय बिन्नी, बिट्टू झाझडिया, सत्यवीर डांगी ओजटू, विजयपाल, राजेश वर्मा (सोनू), मनीष धाबाई, अल्ताफ खान , मानसिंह मुरादपुरिया, निरंजन स्वामी, अशोक रंगरेज, राजेश वर्मा, राहुल चाहर बिट्टू, ,महेश वर्मा ,आकाश योगी, अभिषेक भूकर ,विक्की ठाकुर ,मनोज सैनी, शशि सैनी, कृष्ण सैनी , दीपक सैनी, रवि सैनी,?जितेंद स्वामी, जयप्रकाश सैनी, चिंटू सैनी, दीपक सैनी, अंकित सैनी, प्रवीण सैनी, प्रिंस सैनी, सहित सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है।

भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं,

बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पि म बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की चमत्कार करने वाली संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफर अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं-विशेषकर पि म बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'वोट चोर, गद्दी छोड़' : प्रतिपक्ष की हुंकार और लोकतांत्रिक चेतना का पुनर्जागरण

लोकतंत्र की असली परीक्षा केवल चुनाव जीतने से नहीं, बल्कि सवालों का सामना करने और जवाबदेही निभाने से होती है। आज जब संसद से लेकर सड़क तक 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा गूंज रहा है, तो यह केवल एक राजनीतिक वाक्य नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति उठता हुआ असंतोष और लोकतांत्रिक चेतावनी है। कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी ने जिस आक्रामक लेकिन वैचारिक अंदाज़ में सरकार को घेरते हुए चुनावी प्रक्रिया, कथित धांधली और अनियंत्रित चुनावी खर्च पर सवाल उठाए हैं, उसने राष्ट्रीय बहस को एक बार फिर लोकतंत्र के मूल प्रश्नों की ओर मोड़ दिया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। राहुल गांधी का संसद से सड़क तक लगातार सरकार को 'घूरना' महज़ विरोध का प्रतीक नहीं, बल्कि उस प्रतिपक्षीय जिम्मेदारी का निर्वहन है, जिसे भारतीय संविधान ने विपक्ष को सौंपा है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए यह तर्क सामने रखा कि यदि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी नहीं होंगे, तो लोकतंत्र का आधार ही कमजोर पड़ जाएगा। 'चुनाव आयोग की बगिया खोलना' जैसे तीखे शब्दों के पीछे छिपा संदेश साफ है–संस्थाएं जितनी शक्तिशाली होती हैं, उतनी ही अधिक पारदर्शिता और सार्वजनिक विश्वास की मांग करती हैं। जब यह विश्वास डगमगाता है, तो सवाल उठना स्वाभाविक है।

कांग्रेस का आरोप है कि चुनावों में होने वाला अनाप-शनाप खर्च, सत्ता के दुरुपयोग और संसाधनों की असमान उपलब्धता, लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को असंतुलित कर रही है। यदि एक पक्ष असीमित धन और तंत्र की ताकत से लैस हो, और दूसरा केवल जनसमर्थन के भरोसे खड़ा हो, तो चुनाव केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। इस संदर्भ में राहुल गांधी द्वारा खर्च पर अंकुश लगाने और समान अवसर की बात करना, लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विमर्श है। इसी राजनीतिक संघर्ष के बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की सक्रियता और राजनीतिक चिंतन ने आम जनता के बीच नेतृत्व के प्रति विश्वास को नई ऊर्जा दी है। प्रियंका गांधी का जमीनी मुद्दों पर मुखर होना, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों से सीधा संवाद स्थापित करना, यह संकेत देता है कि राजनीति केवल सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन से जुड़ी होनी चाहिए। उनकी शैली में आक्रामकता से अधिक संवेदना और संवाद दिखाई देता है, जो जनता के बीच भरोसे का आधार बनता है। वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उदार और संतुलित नीति पार्टी को वैचारिक स्थिरता प्रदान करती है। खड़गे का राजनीतिक जीवन संघर्ष, अनुभव और समावेशी सोच का प्रतीक रहा है। उनकी अगुवाई में कांग्रेस का प्रयास यह संदेश देना है कि विरोध का अर्थ अराजकता नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर दृढ़ प्रतिरोध है। खड़गे की नीति यह भी दर्शाती है कि पार्टी केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को अपना उद्देश्य मानती है। हालांकि, लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह भी आवश्यक है कि आरोप और प्रत्यारोप से आगे बढ़कर संवाद और सुधार की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। सरकार का यह दायित्व है कि वह चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करे, ताकि किसी भी तरह के संदेह की गुंजाइश न बचे। वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह सवालों को तथ्यों, तर्क और संवैधानिक माध्यमों से आगे बढ़ाए। 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा दरअसल सत्ता को यह याद दिलाने का प्रयास है कि लोकतंत्र में गद्दी स्थायी नहीं होती, वह जनता के विश्वास पर टिकी होती है। जब विश्वास कमजोर होता है, तो कुर्सी अपने आप हिलने लगती है। राहुल गांधी की मुखरता, प्रियंका गांधी की सक्रियता और मल्लिकार्जुन खड़गे की उदार नीति–इन तीनों का समन्वय कांग्रेस को एक ऐसे प्रतिपक्ष के रूप में प्रस्तुत करता है, जो न केवल विरोध करता है, बल्कि लोकतंत्र को बचाने का दावा भी करता है।

विजय गाथा, भारत के शौर्य की अमर कहानी

योगेश कुमार गोयल

विजय दिवस भारत में हर साल 16 दिसंबर को मनाया जाता है। 3 दिसंबर, 1971 को भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की शुरूआत हुई, जो 13 दिनों तक चला और 16 दिसंबर को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गया। इस युद्ध के बाद पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सशस्त्र बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए.ए. खान नियाजी ने 93,000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना और बांग्लादेश के मुक्ति बहानी के सामने आत्मसमर्पण किया। भारतीय सेना की इसी कामयाबी को प्रतिवर्ष विजय दिवास के रूप में मनाया था। हर साल 16 दिसंबर को विजय दिवस या विक्टरी डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्र के उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाती है। जिन्होंने इस युद्ध में अपने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। एक तथ्य यह भी है कि इस दिन बांग्लादेश का जन्म हुआ था, इसलिए, बांग्लादेश हर साल 16 दिसंबर को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। सन 1971 से पहले, बांग्लादेश पाकिस्तान का एक हिस्सा था, जिसे पूर्वी पाकिस्तान कहा जाता था।

तब पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को पाकिस्तानी सेना मारपीट, शोषण करती है , औरतों के साथ बलात्कार करती और वहां के लोगों की निर्मम हत्या करती थी, भारत ने पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना के द्वारा लोगों के उत्पीड़न का विरोध किया और पूर्वी पाकिस्तान के लोगों का समर्थन किया। उस समय पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी जनरल अयूब खान के खिलाफ भारी असंतोष था। 3 दिसंबर को पाकिस्तान ने 11 भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला कर दिया था। जिसके जवाब में भारत ने भी मुहतोड जवाब दिया। भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान के लोगों को बचाने के लिए भारतीय सेना को पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध का आदेश दे दिया। पाकिस्तान के साथ इस युद्ध में भारत के 1400 से अधिक सैनिक शहीद हो गए। इस युद्ध को भारतीय सैनिकों ने पूरी बहादुरी के साथ लड़ा,इस युद्ध में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। जिसके बाद यह युद्ध सिर्फ मात्र 13 दिनों में ही समाप्त हो गया था।

अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में अमेरिका और सोवियत संघ दोनों महाशक्तियां शामिल हुई थीं। ये सब देखते हुए 14 दिसंबर को भारतीय सेना ने ढाका में पाकिस्तान के गवर्नर के घर पर हमला किया। उस समय पाकिस्तान के सभी बड़े अधिकारी मीटिंग करने के लिए इक ा हुए थे। इस हमले से पकिस्तान हिल गया और जनरल नियाजी ने युद्ध विराम का प्रस्ताव भेज दिया। परिणामस्वरूप 16 दिसंबर, 1971 को दोपहर के तकरीबन 2:30 बजे सरेंडर की प्रक्रिया शुरू हुई और उस समय लगभग 93,000 पाकिस्तानी सेना ने आत्मसमर्पण किया था। इस प्रकार 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश का एक नए राष्ट्र के रूप में जन्म हुआ और पूर्वी पाकिस्तान, पाकिस्तान से आजाद हो गया। ये युद्ध भारत के लिए ऐतिहासिक युद्ध माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि वर्ष 1971 के युद्ध में तकरीबन 3,900 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और लगभग 9,851 घायल हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में हुए इस युद्ध ने एक नए मुल्क बांग्लादेश को जन्म दिया था और पाकिस्तान के इतिहास में करारी हार के तौर पर 16 दिसंबर का दिन दर्ज हो गया। यूं तो यह जंग पाकिस्तान के पि म और पूर्वी हिस्से के बीच चल रही थी, लेकिन पाक की ओर से इस दौरान भारत पर भी हवाई हमले किए गए। इसके जवाब में 3 दिसंबर, 1971 से भारत भी इस युद्ध में कूदा और पि म से लेकर पूर्व तक में पाक सेना पर जोरदार हमला बोला। तीनों सेनाएं इस युद्ध में सक्रिय हुईं और अंत में 16 दिसंबर, 1971 को 93 हजार पाक सैनिकों के सरेंडर के साथ जंग को जीता। यही नहीं, पड़ोस में एक नए मुल्क बांग्लादेश का भी उदय हुआ। इस युद्ध की शुरूआत से पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्र के नाम संदेश जारी किया था।

आधी रात को देश के नाम संबोधन करते हुए इंदिरा गांधी ने कहा- मैं आप सभी से ऐसे वक्त में बात कर रही हूं, अभी कुछ घंटों पहले ही 5:30 बजे शाम को पाकिस्तान ने अचानक हमारे एयरफील्ड्स पर हमले किए हैं। उनकी थल सेना सुलेमानखी, खेमकरण, पुंछ और अन्य सेक्टर्स में गोलीबारी कर रही है, हम पूरी दुनिया से इस मसले के शांतिपूर्ण समाधान की अपील कर रहे हैं। हमारी यही मांग है कि उन लोगों के अधिकार दिए जाएं, जो सिर्फ लोकतंत्र में अपनी भागीदारी चाहते हैं। आज बांग्लादेश में चल रहा युद्ध भारत का युद्ध बन गया है। यह युद्ध मुझ पर और देश के लोगों पर थोपा गया है। हमारे पास देश को युद्ध में ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। हमारे बहादुर अफसर और सैनिक चौकियों पर हैं और देश की रक्षा को आगे बढ़ रहे हैं। पूरे देश में आपातकाल घोषित किया जाता है। हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। हमें लंबे समय तक संघर्ष और त्याग के लिए तैयार रहना होगा। हम शांति पसंद लोग हैं, लेकिन हम जानते हैं कि जब तक आप अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और जिंदगी की सुरक्षा नहीं कर पाते, तब तक शांति नहीं रह सकती। इसलिए आज हमें न सिर्फ अपनी अखंडता के लिए लड़ना है बल्कि अपने देश के मूलभूत आदर्शों को मजबूती देने के लिए लड़ना है।

(लेखक पत्रकार हैं)

तिरुवनंतपुरम की जीत और टूटता राजनीतिक मिथक

अजीत लाड़

केरल के स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों को केवल एक राज्य-विशेष की राजनीतिक घटना मानना एक गंभीर भूल होगी। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 45 वर्षों बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की जीत और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का अपेक्षाकृत सशक्त प्रदर्शन दरअसल उस राष्ट्रीय राजनीतिक प्रवृत्ति का विस्तार है, जो बीते एक दशक से भारतीय लोकतंत्र को नए सिरे से गढ़ रही है। ये नतीजे न सिर्फ 2026 के केरल विधानसभा चुनावों की भूमिका हैं, बल्कि 2029 के आम चुनावों की आहट भी अपने भीतर समेटे हुए हैं। राष्ट्रीय परिदृश्य में देखें तो बीजेपी का केरल में उभार एक रणनीतिक प्रतीक है। अब तक दक्षिण भारत, विशेषकर केरल, बीजेपी के लिए एक कठिन भूगोल रहा है। मजबूत वामपंथी परंपरा, सामाजिक सुधार आंदोलनों की विरासत और संघीय चेतना ने केरल को राष्ट्रीय दक्षिणपंथी राजनीति से काफी हद तक अलग रखा। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसी राजधानी में जीत बीजेपी के लिए केवल एक सीट नहीं, बल्कि एक मनोवैज्ञानिक बढ़त है। यह संदेश दिल्ली से लेकर नागपुर तक स्पष्ट है, कि बीजेपी अब 'अजेय किले' माने जाने वाले राज्यों में भी धीरे-धीरे सेंध लगाने की स्थिति में है।

इतना ही नहीं यह परिघटना उस राष्ट्रीय रणनीति से भी मेल खाती है, जिसमें बीजेपी स्थानीय निकायों और शहरी संस्थाओं को राजनीतिक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल कर रही है। उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के बाद अब दक्षिण में भी पार्टी शहरी मध्यवर्ग, युवा पेशेवरों और आकांक्षी मतदाताओं को लक्षित कर रही है। केरल में यह रणनीति खास तौर पर 'सुशासन', 'भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन' और 'विकास बनाम वैचारिक जड़ता' जैसे नैरेटिव के जरिये आगे बढ़ती दिखती है। वहीं कांग्रेस के लिए केरल के ये नतीजे राष्ट्रीय स्तर पर दोहरी अहमियत रखते हैं। एक ओर, यह पार्टी के लिए राहत का संकेत है कि वह अभी भी कुछ राज्यों में बीजेपी-विरोधी राजनीति का केंद्र बन सकती है। दूसरी ओर, यह चेतावनी भी है कि यदि कांग्रेस अपनी वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक ऊर्जा को पुनर्स्थापित नहीं करती, तो उसका स्थान बीजेपी और क्षेत्रीय दलों के बीच सिमटता जाएगा। राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस आज जिस अस्तित्वगत संकट से जूझ रही है, केरल के स्थानीय चुनाव उसके छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उत्तर की तरह सामने आते हैं कि जीत संभव है, पर शर्तें बदल चुकी हैं। वामपंथ के लिए यह पराजय सिर्फ राज्य सरकार के खिलाफ असंतोष नहीं, बल्कि राष्ट्रीय वाम राजनीति के क्षरण का प्रतिबिंब भी है। पि म बंगाल और त्रिपुरा के बाद केरल ही वह प्रमुख राज्य बचा है, जहाँ वामपंथ सत्ता में है। स्थानीय चुनावों में आई गिरावट यह सवाल खड़ा करती है कि क्या वाम राजनीति अपने पारंपरिक सामाजिक आधार मजदूर, किसान, निम्न-मध्य वर्ग से धीरे-धीरे दूर होती जा रही है? राष्ट्रीय स्तर पर वाम दल पहले ही हाशिये पर हैं, और केरल में कमजोर होते संकेत उनके लिए एक गहरी वैचारिक चुनौती हैं। सामाजिक दृष्टि से भी केरल के नतीजे राष्ट्रीय बहस को प्रभावित करते हैं। लंबे समय तक केरल को 'राजनीतिक परिपक्वता' और 'सांप्रदायिक सौहार्द' का मॉडल माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में यहाँ भी पहचान, धर्म और सांस्कृतिक राजनीति के प्रश्न उभरने लगे हैं। बीजेपी की शहरी सफलता और कांग्रेस-वाम की प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि केरल अब पूरी तरह उस राष्ट्रीय राजनीतिक धारा से अछूता नहीं रहा, जहाँ भावनात्मक मुद्दे, प्रतीकात्मक राजनीति और सोशल मीडिया के जरिये जनमत निर्माण निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

इन चुनावों का एक अहम राष्ट्रीय संकेत यह भी है कि स्थानीय चुनाव अब 'छोटे चुनाव' नहीं रहे। जिस तरह दिल्ली, पि म बंगाल और कर्नाटक में स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों को राष्ट्रीय राजनीति से जोड़कर देखा गया, उसी तरह केरल के नतीजे भी केंद्र की राजनीति पर असर डालते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद बने नए राजनीतिक संतुलन में बीजेपी, कांग्रेस और क्षेत्रीय शक्तियाँ तीनों के लिए केरल एक रणनीतिक प्रयोगशाला बन सकता है। 2026 का केरल विधानसभा चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह यह तय करेगा कि क्या बीजेपी दक्षिण में एक स्थायी राजनीतिक खिलाड़ी बन पाएगी, क्या कांग्रेस राष्ट्रीय विकल्प के रूप में अपनी विश्वसनीयता लौटाएगी, और

क्या वामपंथ अपने वैचारिक और संगठनात्मक संकट से उबर पाएगा। इन तीनों सवालों के उत्तर का असर केवल केरल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को भी प्रभावित करेगा। अंततः, केरल के स्थानीय चुनाव यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय लोकतंत्र एक संक्रमण काल से गुजर रहा है। पुराने राजनीतिक मिथक टूट रहे हैं, नए प्रयोग हो रहे हैं और मतदाता पहले से कहीं अधिक सजग, असंतुष्ट और विकल्पों की तलाश में है। केरल का यह 'सेमीफाइनल' दरअसल पूरे देश के लिए एक संकेत है कि अब राजनीति में कोई भी क्षेत्र, कोई भी विचारधारा स्थायी सुरक्षित क्षेत्र नहीं रही। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संदेश है।

सुशासन का रथ मंडावर पहुँचा–भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर गाँव-शहर में गूंजा विकास और जवाबदेही का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । राज्य की भाजपा सरकार के सफलतम दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सुशासन पखवाड़ा के तहत विधानसभा क्षेत्र महवा में सुशासन के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित सुशासन रथ यात्रा सोमवार दोपहर मंडावर शहर पहुँची। रथ के नगर में प्रवेश के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्साह और जनभागीदारी का माहौल बन गया। इस यात्रा के साथ दौसा जिला प्रभारी शिवकुमार सैनी, विधानसभा संयोजक मिश्री देवी और सह-संयोजक योगेश शास्त्री मौजूद रहे, जिन्होंने मंडावर भाजपा मंडल क्षेत्र के धौलखेड़ा और नांगल सुमेरसिंह ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर सरपंचों के सानिध्य में रथ यात्रा का भव्य स्वागत कराया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वागत कार्यक्रमों के पश्चात सुशासन रथ मंडावर शहर के मुख्य द्वार पर पहुँचा, जहाँ पहले से मौजूद भाजपा मंडल मंडावर के कार्यकर्ताओं के साथ उपखंड अधिकारी अमित वर्मा, तहसीलदार अक्षयप्रेम चेयरवाल और नगरपालिका कार्यवाहक ईओ प्रकाशचंद मीना ने रथ की अगुवाई की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से रथ का स्वागत करते हुए यात्रा में शामिल

पदाधिकारियों का सम्मान किया और भाजपा जिंदाबाद के नारों के बीच रथ के पीछे चलते हुए जनसमर्थन का प्रदर्शन किया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत स्थानीय थाना पुलिस का वाहन रथ के आगे-आगे चलता रहा। इसके बाद सुशासन रथ गांधी चौक पहुँचा, जहाँ रथ के साथ आए प्रभारी पदाधिकारियों ने आमजन को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने कहा कि यह रथ केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकास, सुशासन और जनता से सीधे संवाद की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसके माध्यम से सरकार की योजनाएँ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया है।

गांधी चौक के बाद रथ यात्रा सीएचसी मंडावर पहुँची, जहाँ चिकित्सा प्रभारी नरसीराम मीना की अगुवाई में आयोजित आरोग्य शिविर के दौरान भाजपा मंडल मंडावर की ओर से मरीजों और उनके परिजनों को फल वितरित किए गए। इसके पश्चात सुशासन रथ बनावड़, कोट और हल्देना पहुँचा, जहाँ ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर संबंधित सरपंचों के नेतृत्व में रथ यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। शाम हो जाने के कारण यात्रा को वहीं स्थगित किया गया, जो मंगलवार को गढ़हिम्मत सिंह, रिंदली और पाखर प्रथम होते हुए मंडावर भाजपा मंडल क्षेत्र से आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी अमित वर्मा, तहसीलदार अक्षयप्रेम चेयरवाल, कार्यवाहक ईओ प्रकाशचंद मीना, भाजपा मंडल मंडावर के अध्यक्ष कुलदीप सिंह राजपूत, महामंत्री एवं सुशासन यात्रा प्रभारी सोनू वशिष्ठ, सह-प्रभारी मुकेश साहू, उपाध्यक्ष नेमीचंद पहाड़िया, कृष्ण मोहन शर्मा, नेमीचंद सैनी, सहित भोला बागड़ी, दिनेश मीणा, संजय खंडेलवाल, मनीष खंडेलवाल, लल्लू सरपंच, मुरारी नांगल समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

सुजानगढ़ निवासी रतनी देवी कच्छावा की स्मृति में महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ में कमरे का होगा निर्माण

समिति ने किया युवा उद्यमी पूनमचंद कच्छावा का अभिनंदन, भविष्य में सहयोग जारी रखने का दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सेठों की कोठी से बैरास जाने वाले रास्ते पर निर्माणाधीन महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास में सुजानगढ़ निवासी स्व. रतनी देवी कच्छावा की स्मृति में पुण्यतिथि के अवसर बीएसबी फ़ाउंडेशन की ओर से कमरे का निर्माण कार्य करवाया जायेगा। उद्योगपति भामाशाह समाजसेवी कच्छावा परिवार के युवा उद्यमी पूनमचंद कच्छावा ने सोमवार को छात्रावास पहुंचकर समिति के पदाधिकारियों को कमरे की निर्माण की लागत राशि का चैक भेंट किया। इस अवसर पर समिति की ओर से मोतियों की माला, दुपट्टा व प्रतिक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। युवा उद्यमी पूनमचंद कच्छावा के साथ छात्रावास पधारे दिनेश कुमार सैनी, एडवोकेट सुनिल सैनी का भी समिति की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के संयोजक सज्जन कुमार सैनी, फाइनेंस कंसल्टेंट झाबरमल माली,महामंत्री महेंद्र कुमार माली, भूमि प्रदाता विनोद कुमार गौड़, दीपचंद कटारिया, प्रवक्ता मनोज राकसिया, बाबूलाल सैनी सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य व विधार्थी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि रतनी देवी कच्छावा की आज सोमवार को 18वीं पुण्यतिथि है। महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मणगढ़ की ओर से कच्छावा को 18वीं पुण्यतिथि पर अपनी संवेदना व्यक्त की है।

किसान केसरी शीशराम ओला की 12वीं पुण्यतिथिः अरडावता में उमड़ा जनसैलाब, दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं/अरडावता।

केंद्रीय मंत्री एवं प्रख्यात किसान नेता पद्मश्री स्व. शीशराम ओला की 12वीं पुण्यतिथि सोमवार को श्रद्धापूर्वक मनाई गई। उनके पैतृक गांव अरडावता स्थित समाधि स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शेखावाटी सहित प्रदेश भर से हजारों की संख्या में लोग अपने जननेता को नमन करने पहुंचे। स्व. ओला के सुपुत्र एवं झुंझुनूं सांसद बृजेंद्र सिंह ओला सहित परिवार के सदस्यों–राजबाला ओला, अमित ओला, सरजीत ओला और कमलेश ओला ने समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। वक्ताओं ने स्व. ओला के जीवन को किसानों, मजदूरों और पिछड़ों के उत्थान के लिए समर्पित बताया।?श्रद्धांजलि सभा में कांग्रेस के कई दिग्गज नेता और विधायक शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल थे। विधायक श्रवण कुमार (सूरजगढ़), हाकम अली खान (फतेहपुर), पितराम काला (पिलानी), भगवानराम सैनी (उदयपुरवाटी) प्रधान एवं स्थानीय प्रतिनिधिः मनीषा गुर्जर (खेतड़ी), घासीराम पुनिया (अलसीसर), पुष्पा चाहर (झुंझुनूं), महिपाल सिंह (फतेहपुर), पूर्व जिलाप्रमुख सुमन रायला, पूर्व सभापति नगमा बानो।सभा में उपस्थित पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र झाझड़ीया, सुमित्रा सैनी, सुमेर

महला, खलील बुडाना और अन्य वक्ताओं ने ओला के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्व. ओला ने शिक्षा और विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेंगे।

कार्यक्रम में निहाल सिंह, हरपाल राव, शेरसिंह नेहरा, मदन गुर्जर, सलीम सीगड़ी, विनीता रणवा, राहुल जाखर और रवीन्द्र महला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे दिन अरडावता में श्रद्धा और सम्मान का माहौल बना रहा और हजारों लोगों ने कतारबद्ध होकर अपने प्रिय नेता को भावांजलि अर्पित की।

राजकीय बीडीके अस्पताल में आरोग्य शिविर में 3116 आमजन लाभांवित

विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने किया शुभारंभ, जिला प्रमुख एवं जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी ने की अध्यक्षता?

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अरुण कुमार । जिले के सबसे बड़े राजकिय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर होने वाले कार्यक्रमों के तहत आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 3116 आमजन लाभांवित हुए। शिविर का शुभारंभ झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने किया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रमुख एवं जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी के द्वारा की गयी। विधायक राजेन्द्र भाम्बू ने बताया कि आरोग्य शिविर से आमजन को लाभ मिलने के साथ साथ विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी मिल रही है। जिससे आमजन लाभान्वित हो सकेंगे। अस्पताल में बढ़ती ओपीडी के मद्देनजर पीएमओ को ओपीडी प्रबंधन की कार्य योजना बनाने हेतु सलाह दी गयी ताकि राज्य सरकार को आवश्यक प्रस्ताव भिजवाया जा सके?। रक्तदान का महत्व बताते हुए बीडीके

रक्तदान शिविर में 13 आमजन ने किया रक्तदान ?

अस्पताल के ब्लड बैंक की सेवाओं की सराहना की गयी। जिला प्रमुख एवं जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी ने रक्तदान शिविर में अधिकाधिक आमजन को भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया एवं स्वयं भी रक्तदान करने की इच्छा व्यक्त की गयी। परंतु तीन माह से कम समय पूर्व ही रक्तदान करने के कारण ब्लड बैंक प्रभारी ने रक्तदान करवाने में असमर्थता जताई। हर्षिनी कुल्हरी ने रोगीयों से बातचीत कर शिविर का फीडबैक लिया। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग डॉ जितेन्द्र भाम्बू ने बताया कि प्रातःकाल से ही आरोग्य शिविर एवं रक्तदान शिविर में आमजन का उत्साह देखने को मिला। शिविर में शिशु,प्रसूति, एनसीडी ,टीकाकरण, नाक कान गला, शल्य, अस्थि रोग ,दंत रोग से संबंधित चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गयी है। डॉ जितेंन्द्र भाम्बू ने बताया कि आरोग्य शिविर में 3116 आमजन लाभान्वित होने के लिए शिविर स्थल पर आए। रक्तचाप के 53 रोगी, डायबिटिज के 45 रोगी,सामान्य वायरल से ग्रसित 1021 रोगीयों ने उपचार लिया गया। प्रसूति रोग से संबधित 377 रोगी ,शिशु औषध के 524 रोगीयों को लाभान्वित किया गया है। कैम्प में टीकाकरण समेत विभिन्न गतिविधियां की गयी है। इस दौरान सीएमएचो डा छोटेलाल गुर्जर,आरसीएचओ डा डीएन सिंह ,आरएमओ डा सिद्धार्थ शर्मा,डा विजय झाझडियां, डा सलीम जाजोदिया ,डा राकेश ब्लड बैंक प्रभारी, डा राजेन्द्र ढाका ,डा शक्तिसिंह समेत अधिकारी ,कर्मचारी मौजूद रहें।

जिला स्तरीय राजस्थान युवा महोत्सव समारोहपूर्वक संपन्न

15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं ने दिखाई बहुआयामी प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार की बजट घोषणा सत्र 2025-26 के तहत राजस्थान युवा बोर्ड एवं युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार के तत्वावधान में राजस्थान युवा महोत्सव 2025 का जिला स्तरीय आयोजन स्काउट-गाइड जिला मुख्यालय, झुंझुनू में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. अरुण गर्ग, विधायक झुंझुनू राजेंद्र भांबू, जिला प्रमुख एवं भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिनी कुल्हारी तथा पूर्व विधायक शिवकरण चौधरी के सानिध्य में आयोजित हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय)

माध्यमिक राजेश मील ने बताया कि इस महोत्सव में राजस्थान युवा बोर्ड की वेबसाइट पर पंजीकृत 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोक गायन, एकल राजस्थानी नृत्य व गायन, भाषण, कविता लेखन, कहानी लेखन, चित्रकला, प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, मांडना, कठपुतली, भित्ति चित्र, खड़ताल, मोरचंग, भपग सहित हस्तकला, वस्त्र कला, कृषि उत्पाद एवं विकसित भारत चैलेंज ट्रैक (स्वस्थ जीवनशैली, नशा मुक्त युवा, आत्मनिर्भर भारत, युवा कौशल, जलवायु परिवर्तन) शामिल रहें।सामूहिक लोक नृत्य में सूरजगढ़ की मोनिका कुमावत एंड पार्टी तथा सामूहिक लोक गायन में पिलानी की ममता एंड पार्टी प्रथम रही। एकल गायन में अलसीसर की रिद्धि, एकल नृत्य में झुंझुनू के रौनक, भपग में पिलानी के लक्ष्मण सिंह, मोरचंग में बुहाना की मोनिका, कविता लेखन में मंडावा की ज्योति, मांडना में मंडावा की कंचन, हैंडीक्राफ्ट में झुंझुनू की गाजिया, कहानी लेखन में पिलानी के संदीप, चित्रकला में सूरजगढ़ के मनोज कुमार, विज्ञान मेला प्रदर्शनी में सूरजगढ़ की पूजा सैनी एंड टीम, कठपुतली में मंडावा के शंकर लाल, टेक्सटाइल्स में प्रत्यांशा तथा भाषण में नवलगढ़ के भारतेंदु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी प्रथम विजेताओं को 1000 नगद पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को संभाग स्तर पर भाग लेने का अवसर मिलेगा तथा जिला स्तर से उन्हें मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

विधायक राजेंद्र भांबू ने युवाओं से अपनी प्रतिभा को निरंतर विकसित करने का आह्वान किया। जिला प्रमुख हर्षिनी कुल्हारी ने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं और वे समाज व देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। पूर्व विधायक शिवकरण चौधरी ने युवाओं को मंच प्रदान करने की पहल को विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में सहायक निदेशक दिनेश कुमार जांगिड़, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जयप्रकाश महला, एसीबीईओ संजय झाझरिया, सुनीता यादव, डॉ. राजबाला ढाका, सीओ स्काउट महेश कालावत, सीओ गाइड प्रियंका कुमारी सहित बड़ी संख्या में स्काउट-गाइड, महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, एनएसएस स्वयंसेवक एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्काउट सचिव धर्मपाल सिंह ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में केवीएस स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में सोमवार को केंद्रीय विद्यालय संगठन का स्थापना दिवस गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य के. एल. मीना द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन के ध्येय वाक्य 'तत् त्वं पूषन् अपावृणु' पर प्रकाश डालते हुए किया गया।प्राचार्य मीना ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्रीय विद्यालय संगठन की स्थापना का मुख्य उद्देश्य देश के विभिन्न भागों में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों को समान, गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करना है।

उन्होंने केवीएस की शैक्षिक उपलब्धियों, नवाचारों तथा राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन गीत, नृत्य, प्रेरणादायक भाषण एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थित शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने सराहना के साथ देखा। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्याध्यापक मनोज कुमार वर्मा ने केवीएस की कार्यशैली एवं संगठनात्मक संरचना पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं शिक्षक विनोद कुमार मीना ने केंद्रीय विद्यालय संगठन की अनुशासनात्मक एवं समग्र विकास पर आधारित शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में सभी ने केंद्रीय विद्यालय संगठन के मूल्यों को आत्मसात करने तथा विद्यालय की प्रगति एवं गुणवत्ता शिक्षा के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम अनुशासित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नगर पालिका सूरजगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिवस मनाया

गौशाला में गायों को दलिया खिलाकर दी शुभकामनाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

सोमवार को नगर पालिका सूरजगढ़ में पालिका अध्यक्ष पुष्पा सेवाराम गुप्ता की अध्यक्षता में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने की खुशी भी मनाई गई।कार्यक्रम में पालिका भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्ण कुमार सैनी, विनोद खेतान, अशोक शर्मा, मुकेश शर्मा, राजकुमार, संदीप शर्मा, सांवरमल सैनी, पार्षद नरेंद्र चेजारा सहित नगर पालिका के कार्मिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष पुष्पा सेवाराम गुप्ता ने मुख्यमंत्री के जन्मदिवस एवं राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने की खुशी में पालिका क्षेत्र स्थित गौशाला में गायों को दलिया खिलाकर सेवा कार्य किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आमजन को इसका लाभ मिल रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

डॉ . पंवार को मिलिनेयर फार्मर ऑफ इंडिया इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मान प्राप्त

भीम प्रज्ञा न्यूज

बाड़मेर । जिले के बाटाडू तहसील के झाक गांव के प्रगतिशील किसान डॉ. देवाराम पंवार को नई दिल्ली के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर) में आयोजित विशाल अंतरराष्ट्रीय कृषि महोत्सव में 'मिलियनेयर फार्मर ऑफ इंडिया इंटरनेशनल अवार्ड 2025' का सम्मान प्राप्त हुआ है। उन्हें यह

सम्मान कृषि, पशुपालन व औषधीय खेती में उत्कृष्ट योगदान, आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग और खेती में नवाचार के लिए दिया गया था। आईसीएआर में आयोजित इस कार्यक्रम में देश और विदेश के विभिन्न राज्यों से हजारों किसान, कृषि वैज्ञानिक और विशेषज्ञ उपस्थित थे। डॉ. पंवार को भी वर्ष 2023 में इसी मंच पर सम्मानित किया गया था। लगातार दूसरी बार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करना उनकी कड़ी मेहनत, दूरदर्शिता और पशुपालन और खेती में उत्कृष्ट योगदान का परिणाम है। कृषि विशेषज्ञों ने डॉ. देवाराम पंवार को युवा किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया और उनकी प्रौद्योगिकी आधारित खेती और आईजी थार विलेज की कार्यशैली की प्रशंसा की।

परीक्षा फार्म की अंतिम तिथि आगे बढ़ाने की मांग को लेकर विद्यार्थी परिषद ने दिया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महाविद्यालय मे परीक्षा फॉर्म की अंतिम तिथि आगे बढ़ना की मांगो को लेकर राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य को कुलपति के नाम ज्ञापन दिया। परिषद के भाग संयोजक गगन चौधरी ने बताया कि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए परीक्षा आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ाने की मांग रखी गई है जिससे शेष रह गए छात्र-छात्राएं अपना परीक्षा फॉर्म भर सकें व उनका शैक्षणिक वर्ष ख़राब होने बच सके ।इस अवसर पर अनमोल चौधरी , मोहित गुर्जर , सफराज, प्रीतम, समिर नरोदडा, पियुष सैनी, युवराज, हिमांशु,अंकित व अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

राउमा.विद्यालय छापोली में सांस्कृतिक नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छापोली में सोमवार को उल्लास नव- भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक उदयपुरवाटी की ओर से सांस्कृतिक नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र कुमार सैनी अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रहें तथा विशिष्ट अतिथि श्री शंकर लाल शाह रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य विशाल गुप्ता ने की। ब्लॉक साक्षरता समन्वयक श्री हवा सिंह ने बताया कि कठपुतली के माध्यम से बाल- विवाह , साक्षरता, जल सरंक्षण , पर्यावरण संरक्षण , सामाजिक कुरुतियों से बचाव का संदेश दिया?। बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए ' बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ ' का रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि वित्तिय साक्षरता , विधिक साक्षरता , बुनियादी संख्या ज्ञान आदि की जानकारी आवश्यक है। प्रधानाचार्य विशाल गुप्ता ने राजस्थानी लोक कला संस्कृति के द्वारा कठपुतली कार्यक्रम की प्रमुख भूमिका है। कठपुतली प्रदर्शन कार्यक्रम का संचालन साक्षरता प्रभारी रामस्वरूप किरोड़ीवाल ने किया तथा कर्यक्रम में कैलाश चंद मीणा, पवन मीणा, नरेन्द्र जालोपिया, अशोक बॉयल सहित नव- साक्षर , भामाशाह, जन-प्रतिनिधि, ग्रामीण जन, विद्यालय के स्टाफ व छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

झुंझुनूं में 12 राजपुताना राइफल्स का भव्य शहीद श्रद्धांजलि समारोह

1971 युद्ध के अमर बलिदानियों को नमन, शहीद स्मारक सैन्य गरिमा और राष्ट्रभक्ति से गूंजा

इच्छामति दिवस पर वीरांगनाओं व होनहारों का सम्मान, देशभर से जुटे सेवारत व भूतपूर्व सैनिक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

वीरभूमि झुंझुनूं में 12 राजपुताना राइफल्स (इच्छामति बटालियन) का इच्छामति दिवस सोमवार को पूर्ण सैन्य अनुशासन, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। शहीद स्मारक पार्क में आयोजित इस भव्य श्रद्धांजलि समारोह में 15 दिसंबर 1971 के भारत-पाक युद्ध में बांग्लादेश मोर्चे पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल पी.एस. राठौड़ रहे, जबकि अध्यक्षता सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन रणजीत सिंह ने की। संयोजक सुबेदार शीशराम और कैप्टन सुभाष चंद्र, कैप्टन विनोद काजला इंटरनेशनल राइफल्स शूटर और विशिष्ट अतिथि के रूप में कर्नल आज़ाद सिंह बेनीवाल तथा कर्नल राजेश सिंह (सेना मेडल, शौर्य चक्र) उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में झुंझुनूं को वीरों की धरती बताते हुए कहा कि यह भूमि देश को सर्वाधिक शहीद देने का गौरव रखती है। समारोह का शुभारंभ शहीद स्मारक पर झुंझुनूं एसडीएम कौशल्या बिश्नोई ने पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को याद किया। इसके पश्चात भारत माता की जय और वीर शहीद अमर रहें के उद्घोष से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति से गूंज उठा। इस अवसर पर 12 राजपुताना राइफल्स के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी, जूनियर कमीशंड ऑफिसर (जेसीओ) तथा जवान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने शहीद साथियों के आदर्शों को आत्मसात करने और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

बटालियन के वर्तमान कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दिवेश ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि 12 राजपुताना राइफल्स की पहचान उसके शौर्य, अनुशासन और बलिदान से है। उन्होंने जवानों से बटालियन की गौरवशाली परंपराओं को सदैव बनाए रखने का आह्वान किया। वहीं बटालियन के पूर्व कमांडिंग ऑफिसर ने भी संबोधित करते हुए बटालियन के गौरवशाली इतिहास और युद्धकालीन वीर गाथाओं को साझा किया।

समारोह के दौरान 1971 युद्ध के वीर शहीदों की वीरांगनाओं को सम्मानित कर उन्हें नमन किया गया। सम्मानित वीरांगनाओं में कमलेश (पत्नी हवलदार बलबीर सिंह), सुनीता (पत्नी देव मानविह), रजनी देवी (पत्नी हवलदार आनंद सिंह), कमला देवी (पत्नी हनुमान सिंह), संपत्ति देवी (पत्नी सुकार कर्ण सिंह), अनीता देवी (पत्नी पवन कुमार), कंचन देवी (पत्नी राजेश कुमार), मंजू देवी (पत्नी कैलाश चंद्र), सुनीता देवी (पत्नी एबी सतीश राव), भारती देवी (पत्नी धर्म कुमार), मनोज देवी (पत्नी सूबेदार रामचंद्र) एवं गुलाब देवी (पत्नी छगन सिंह) शामिल रहीं। वीरांगनाओं के सम्मान के दौरान पूरा वातावरण भावुक और गौरवपूर्ण हो उठा। इसके साथ ही सेना परिवार के होनहारों को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित रौनक (पुत्री सूबेदार विजय कुमार) के आरएस में चयन, मयंक कुमार (पुत्र हवलदार कैलाशचंद्र) के पशु चिकित्सक पद पर चयन तथा प्रतीक मलिक (पुत्र हवलदार नरेंद्र मलिक) के एमबीबीएस में चयन पर उन्हें मंच से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संयोजन हवलदार केशर सिंह के नेतृत्व में किया गया। उनके कुशल संचालन और अनुशासित प्रबंधन से आयोजन अत्यंत प्रभावशाली और स्मरणीय बन सका। आयोजन में उपाध्यक्ष सूबेदार शीशराम तथा सचिव सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन सुभाष चंद्र की भी उल्लेखनीय भूमिका रही।

श्रद्धांजलि समारोह का लाइव प्रसारण भी किया गया, जिससे देश-विदेश में रह रहे बटालियन से जुड़े पूर्व सैनिकों, जवानों और नागरिकों ने कार्यक्रम को प्रत्यक्ष देखा। इस अवसर पर झुंझुनूं सहित उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में भूतपूर्व सैनिकों ने सहभागिता निभाई। समारोह में सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन रोशन लाल, सूबेदार गोपीचंद, सूबेदार रामवतार, सूबेदार अजीत सिंह, सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन जगदेव सिंह, सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन संतोष कुमार, सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन गोपाल सिंह, सूबेदार मेजर ऑनरेरी कैप्टन शेर सिंह सहित अनेक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं इन-सर्विस जवानों में हवलदार संदीप, यशवीर, हवलदार सुनील, नायक सरजीत, अग्निवीर नरेंद्र ढाका, राइफलमैन नरेंद्र, नीशू, कमल किशोर, महेश, अरविंद, नितिन, रविंद्र, विकास, हवलदार सुभाष, कैसरी, भूपेंद्र, नंदलाल डूडी, सूबेदार राधेश्याम, नेमीचंद एवं कैप्टन विनोद काजला मौजूद रहे। समारोह के समापन पर सभी उपस्थित सैनिकों एवं नागरिकों ने शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलने, राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि रखने तथा भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का सामूहिक संकल्प लिया। समारोह पूर्ण सैन्य सम्मान और राष्ट्रभक्ति के संदेश के साथ संपन्न हुआ। मंच संचालन सुबेदार विजय पाल काजला ने किया

श्री कृष्ण गोशाला अजीतगढ परिसर में पशुपालन व गोशाला प्रबंधन ने किया सफाई के लिए श्रमदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

सुमेर मीणा । स्थानीय श्री कृष्ण गोशाला परिसर में पशुपालन विभाग व गोशाला प्रबंधन के तत्वावधान में वर्तमान सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने पर सफाई के लिए श्रमदान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत नियमित सार्वजनिक स्थानों पर सफाई किया जाना चाहिए। वहीं पशुपालन विभाग नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण पालीवाल ने पशुपालन, गोपालन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। गोशाला प्रबंधन ने गोपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की सराहना की तथा विभिन्न कठिनाइयों के बारे में अधिकारियों को अवगत करवाया। इससे पूर्व गोशाला परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गोपूजन किया गया तथा गायों को हरा चरा एवं गुड़ एवं अन्य स्वास्थ्यप्रद सामग्री खिलाई। इस दौरान गोशाला प्रबंधन सचिव मूलशंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष मोहन लाल पारीक, पशुधन

प्रसार अधिकारी महेंद्र सिंह शेखावत, प्रशांत दानोदिया, सीमा यादव, अर्चना मीणा समेत अनेक गणमान्य लोग, गोभक्त मौजूद थे। इसी प्रकार राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर शहर के नगरपालिका द्वारा विभिन्न स्थानों पर रंगोली बनाई गई तथा साफ सफाई का कार्य किया गया।

बुहाना पुलिस की कार्रवाई, अवैध शराब परिवहन करते दो गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

पुलिस थाना बुहाना की टीम ने अवैध शराब की बिक्री व परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल पर शराब ले जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 55 पव्वे अवैध देशी शराब तथा एक मोटरसाइकिल जब्त की है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई पुलिस थानाधिकारी बिमला बुडानियां के नेतृत्व में गठित टीम गश्त पर थी, इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति प्लास्टिक के कट्टे में शराब के पव्वे भरकर झारोड़ा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने ग्राम झारोड़ा से भुरीवास जाने वाले कच्चे रास्ते पर नाकाबंदी कर मोटरसाइकिल संख्या आरजे 53 एसए 7679 को रोका। तलाशी के

दौरान राहुल पुत्र रघुवीर उम्र 24 वर्ष निवासी इस्माईलपुर तथा राजकुमार पुत्र सुमेर सिंह उम्र 26 वर्ष निवासी धुलवा के कब्जे से 55 पव्वे अवैध देशी शराब 'हीर-रांझा' बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर शराब परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

'वोट चोर गद्दी छोड़' महारैली में दिल्ली पहुंचे कांग्रेसी कार्यकर्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बावड़ी।

'वोट चोर गद्दी छोड़' मुद्दे को लेकर दिल्ली में आयोजित महारैली में कोटपुतली-बहरोड़ जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर वोट चोरी के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। यह रैली कोटपुतली-बहरोड़ जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर के निर्देशन में आयोजित हुई।खेलना मंडल से संगठन महासचिव विकास यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए दिल्ली के लिए रवाना हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा एवं निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। यूथ कांग्रेस की जिला उपाध्यक्ष कविता टोरडा ने बताया कि वोट चोरी के मुद्दे पर पार्टी पूरी मजबूती से खड़ी है और इस विषय को लेकर आंदोलन लगातार जारी रहेगा। वहीं संगठन महासचिव विकास यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी वोट चोरी जैसे गंभीर मुद्दे पर अब पीछे हटने वाली नहीं है और जनआंदोलन के माध्यम से जनता की आवाज को आगे तक पहुंचाया जाएगा। महारैली में गिरिराज चौहान, रामसिंह यादव, योगेन्द्र, खेताराम, हवलदार, हवासिंह गुर्जर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया।

राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर गायों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पलसाना।

श्री जनता गौशाला समिति, पलसाना में सोमवार को सुबह 7.30 बजे राजस्थान सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में गायों को हरा चारा गुड एवं लापसी खिलाई गई। गौशाला कोषाध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल के सानिध्य में जनता गौशाला में गौपूजन एवं गौसेवा (गौमाता के लिए लापसी , हरा चारा (11 क्विंटल), गुड़ आदि खिलाया गया। गौशाला में हो रहे विकास एवं प्रगति को देखकर सभी ने मुक्त कंठ से सराहना करते हुए जनता गौशाला समिति कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सरपंच रूप सिंह शेखावत, मंडल उपाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान, शारीरिक शिक्षक कमल कुमार मीणा, सुरेंद्र सिंह शेखावत, संजय अग्रवाल , कैलाश सिंह, विक्रमसिंह खेजड़ोलिया, शिवराज सिंह शेखावत, जुगल किशोर गोयल, जितेंद्र कुमार जैन, ओम सिंह शेखावत , बंशीधर कुमावत, श्रीराम अग्रवाल, शिभूदयाल पिपलोदा एव गौशाला कार्यकारिणी सदस्य, ग्रामवासी एवं गौभक्त मौजूद रहें।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में वरिष्ठ अभिभावक दिवस हर्षोल्लास से आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी नगर।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में सोमवार दोपहर 12:00 बजे वरिष्ठ अभिभावक दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं भावनात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मदन लाल सैनी रहें, जबकि अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य के. एल. मीणा ने की। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों ने संगीत शिक्षिका डॉली भारती के निर्देशन में स्वागत गान एवं स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा 5 की छात्रा योशिता द्वारा प्रस्तुत एकल नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात 'बचपन' शीर्षक से प्रस्तुत लघुनाटिका ने वरिष्ठ अभिभावकों को उनके बचपन की स्मृतियां ताजा कर दीं, जिस पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए वरिष्ठ अभिभावक दिवस मनाने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अभिभावकों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य के. एल. मीणा ने अभिभावकों से बच्चों को पर्याप्त समय देने का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चे दादा-दादी

से अपने मन की बातें सहज रूप से साझा करते हैं और दादा-दादी बच्चों को संस्कार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मुख्य अतिथि मदन लाल सैनी ने अपने उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए विद्यालय प्रशासन को इस सराहनीय आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में प्राथमिक शिक्षक विक्रम सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्राथमिक शिक्षिकाएं कृतिका फागना एवं आरती ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक उम्मेद अली, विनोद मीणा, रवि कुमार, मनोज कुमार वर्मा, सी. आर. पालीवाल, नेहा मान, ओमप्रकाश, प्रकाश सोनी, नीतेश मलिक, अनिता, रेखा, ललिता, कृष्ण कुमावत, ब्रजेश, कृतिका विश्नोई, योगेश, विजेंद्र सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

कुमावत की प्रथम पुण्यतिथि पर स्कूल के विद्यार्थियों को गर्म कोट किए वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

निकटवर्ती दिसनाऊ गांव के स्वर्गीय धीरज कुमावत की प्रथम पुण्यतिथि पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के समस्त छात्र छात्राओं को परमेश्वरी देवी भगवान राम घोड़ेला कुमावत की ओर से गर्म कोट वितरित किए गए उल्लेखनीय है कि धीरज कुमावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दिसनाऊ का प्रतिभावान छात्र था जिसकी सड़क दुर्घटना में गत वर्ष असामयिक मृत्यु हो गई थी । छात्र धीरज की माता संतोष देवी महेश कुमार ने बताया कि मेरे बड़े पुत्र विजय कुमार की प्रेरणा से

यह सामाजिक कार्य किया गया इस अवसर पर अनुज जोशी, दामोदर रोलन, विक्रम आलडिया, सुनील, सिमर कुमावत, अनिल कुमार आदि उपस्थित थे घोड़ेला कुमावत परिवार की ओर से रौनक कुमावत ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की भविष्य में और भी सहयोग देने का वादा किया विद्यालय परिवार की ओर से भामाशाह घोड़ेला कुमावत परिवार का आभार जताया गया

खेतड़ी उपखंड के गणेशपुरा गांव के साहिल ने देश के लिए जीता गोल्ड

कजाकिस्तान में ओपन यूरोपियन कप में किया शानदार प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

खेतड़ी उपखंड के हरियाणा सीमावर्ती गांव गणेशपुरा के होनहार खिलाड़ी कुमार साहिल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र और देश का नाम रोशन किया है। साहिल ने अल्माटी (कजाकिस्तान) में आयोजित ओपन यूरोपियन कप (यूरोपियन स्ट्रांग जेनरेशन-5) में जूनियर वर्ग (20-23 वर्ष) के 75 किलोग्राम भार वर्ग में सिंगल लिफ्ट बेंच प्रेस (सॉफ्ट इक्विप्ड) स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। साहिल के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। सीमित संसाधनों के बावजूद साहिल ने कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। परिवारिक पृष्ठभूमि की बात करें तो साहिल के पिता जितेंद्र यादव उर्फ बिट्टू गणेशपुरा में एलआईसी व जीआईसी एजेंट हैं। उनके दादा राजस्थान परिवहन विभाग से चालक पद से सेवानिवृत्त होकर वर्तमान में कृषि कार्य कर रहे हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। साहिल के बड़े भाई सौरव ने बीएससी नर्सिंग की है और वे इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, वसंत कुंज (नई दिल्ली) में कार्यरत हैं। साहिल एवं उनके भाई सौरव ने कक्षा 10वीं व 12वीं की शिक्षा ओएसिस इंटरनेशनल स्कूल, नारनौल से प्राप्त की। इसके बाद साहिल ने एमएटी यूनिवर्सिटी, जयपुर से फाइन आर्ट में स्नातक किया, जिसकी पढ़ाई हाल ही में पूर्ण हुई है। साहिल ने पावर लिफ्टिंग को जुनून की तरह

अपनाया और बिना विशेष सुविधाओं के दिन-रात अभ्यास कर खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किया।उल्लेखनीय है कि साहिल ने इससे पहले नवंबर 2024 में रूस के मास्को में आयोजित WRPF वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता था। उस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों द्वारा साहिल का सम्मान किया गया था तथा नारनौल के सीएल फार्म हाउस से गणेशपुरा गांव तक रोड शो भी निकाला गया था। साहिल की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनकर सामने आई है। खेल सुविधाओं की कमी के बावजूद केवल मेहनत और लगन के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर गोल्ड जीतना यह साबित करता है कि मजबूत इच्छाशक्ति हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

जन्मदिन की खुशी में दानः सेवानिवृत सैनिक महावीर मातवा ने गौशाला को भी किया आर्थिक सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

सेवानिवृत सैनिक पूर्व सरपंच प्रतिनिधि महावीर मातवा ने अपने सुपौत्र कृतविक,पोती क्रियान्सी , कीर्तिका व बेटे डॉ ओमप्रकाश मातवा की जन्म तिथि एक ही दिन होने पर सोमवार को सामूहिक जन्मदिवस सरकारी स्कूल के बच्चों को फल, मिठाई व गर्म स्वेटर वितरित की । इस अवसर पर राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंजारा बस्ती के बच्चों को 30 गर्म स्वेटर,

फल व मिठाई वितरित की तथा श्रीनाथ गौवंश सेवा समिति नरोदा में 2100 रूपए आर्थिक सहयोग किया। इस अवसर पर शिवकुमार कस्वां, बनवारी मंडीवाल, पूर्व सरपंच पूर्णमल आंतरोली, झाबरमल मातवा,मनोज रूहेला, सुल्तान ढाका पीटीआई, मोहानी ढाका सेवानिवृत्त शिक्षा अधिकारी, प्रवीण मातवा, विद्या प्रकाश मातवा, माडू बजारा, भंवर लाल बंजारा, बाबूलाल बंजारा , छोटूराम कसवां प्रधानाचार्य, गीता सिंह प्रधानाध्यापक, हजारी बंजारा, कपिल शर्मा बऊ, शेर सिंह बंजारा मौजूद थे।

एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में हुआ मेगा पीटीएम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड़ स्थित एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन चिड़ावा में शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन चेयरमैन सुनिल कुमार डाँगी, डायरेक्टर समित डाँगी व मैनेजमेंट सदस्यों ने उपस्थित सभी अभिभावक व विद्यार्थियों के समक्ष सरस्वती वन्दना के साथ किया । इस शिक्षक-अभिभावक सम्मेलन में एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के विभाग एम. डी. केरियर लाइन व एम. डी. सीनियर सेकंडरी के 1737 विद्यार्थी व अभिभावक उपस्थित रहें इसमें अभिभावकों और शिक्षकों के बीच छात्रों की प्रगति और विकास पर चर्चा की गई। इस बैठक का उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार करना और अभिभावकों को उनके बच्चों की प्रगति से अवगत कराना है। शिक्षक और अभिभावक छात्रों की ताकत और कमजोरियों पर चर्चा करते हैं। व्यक्तिगत योजनाएं बनाना शिक्षक और अभिभावक मिलकर छात्रों के लिए व्यक्तिगत योजनाएं बनाते हैं। पीटीएम छात्रों के लिए एक संयुक्त समर्थन प्रणाली बनाने में मदद करता है। छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार पीटीएम छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार करने में मदद करता है। अभिभावकों को जानकारी अभिभावकों

को उनके बच्चों की प्रगति से अवगत कराया जाता है। शिक्षकों और अभिभावकों के बीच संवाद पीटीएम शिक्षकों और अभिभावकों के बीच संवाद को बढ़ावा देता है। इस मेगा पीटीएम के दौरान, शिक्षक छात्रों की प्रगति रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हैं और अभिभावकों के साथ चर्चा करते हैं। इस बैठक में छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन, उपस्थिति, और व्यवहार पर चर्चा की जाती है, और अभिभावकों को अपने बच्चों की प्रगति में योगदान करने के तरीके बताए जाते। इस अवसर पर एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के समस्त सदस्य उपस्थित रहें।

लक्ष्मणगढ़ में सरकारी कार्यकाल के 2 वर्ष पूरे होने पर नंदी और गौ-पूजन कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष पर श्री लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल पंचायत समिति स्तरीय नंदीशाला व श्री लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल गौशाला में नंदी पूजन, गो पूजन करके गायों तथा नंदियों को हरा चारा व गुड़ खिला कर कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के

उपनिदेशक डॉ ओमप्रकाश, डॉ मोहन भोगे ,एलआई पंकज कुमार सैनी, प्रमिला कुमारी तथा नंदीशाला के अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, नंदीशाला के उपाध्यक्ष अनिल मिश्रा, व्यवस्थापक रतन सिंह बगड़ी, बाबूलाल शर्मा, कमल जोशी व लक्ष्मणगढ़ पिंजरापोल गौशाला के सचिव सुशील जाजोदिया, कोषाध्यक्ष ललित भूत, व्यवस्थापक लोकेश सैनी आदि सहित अनेक गौ सेवक उपस्थित थे।

मतदाता साक्षरता की ऐतिहासिक पहलः चिड़ावा की एमआरएस प्रणामी स्कूल में ई-वोटिंग से बनी 'छात्र सरकार'

डिजिटल मतदान, कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी और अनुशासित प्रक्रिया ने रचा लोकतंत्र का जीवंत पाठ

भीम प्रज्ञा न्यूज़, चिड़ावा।

लोकतंत्र केवल पुस्तकों में पढ़ाया जाने वाला विषय नहीं, बल्कि उसे जीकर सीखना भी उतना ही जरूरी है– इस सोच को साकार करते हुए चिड़ावा स्थित एमआरएस प्रणामी स्कूल ने मतदाता साक्षरता की दिशा में एक ऐतिहासिक और अनुकरणीय पहल की। विद्यालय परिसर में आयोजित छात्र संघ चुनाव में विद्यार्थियों ने ई-वोटिंग (डिजिटल मतदान) के माध्यम से अपनी छात्र सरकार का गठन किया। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए रोमांचक अनुभव रहा, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक समझ देने वाला व्यावहारिक लोकतंत्र पाठ भी साबित हुआ। विद्यालय प्रशासन ने परंपरागत मतपेटी की जगह डिजिटल बोर्ड एवं ऑनलाइन मतदान प्रणाली को अपनाया। प्रत्येक विद्यार्थी ने तय क्रम में, बिना किसी दबाव और प्रभाव के, गोपनीय एवं स्वतंत्र मतदान किया। विद्यार्थियों को कुल छह प्रमुख पदों–अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, खेल मंत्री, सांस्कृतिक मंत्री, शिक्षा मंत्री एवं वित्त मंत्री–के लिए मतदान का अधिकार दिया गया, जिससे वे सरकार गठन की पूरी प्रक्रिया को समझ सकें।

विद्यालय स्तर पर बना 'चुनाव आयोग'

वास्तविक चुनावों की तर्ज पर विद्यालय में चुनाव आयोग का गठन किया गया। चुनाव आयोग में संस्था सचिव अरविंद दाधीच, नीतू शर्मा, लेफ्टिनेंट आर.डी. शर्मा, संजय बागड़ी, आरती शर्मा एवं शंकरलाल भारतीय शामिल रहे। इन्होंने बच्चों को नामांकन, मतदान, अनुशासन, आचार संहिता और मताधिकार की जिम्मेदारी की जानकारी दी।

उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन

चुनाव की एक खास बात यह रही कि उपाध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन आया, जिसके चलते नोमित वर्मा को निर्विरोध उपाध्यक्ष घोषित किया गया। अन्य पदों पर उम्मीदवारों के बीच रोचक और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा देखने को मिली, जिससे पूरा विद्यालय चुनावी माहौल से जीवंत हो उठा।

बच्चों ने सीखा वोट की ताकत

मतदान के बाद विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से उन्हें वोट की अहमियत, जिम्मेदारी और लोकतंत्र की ताकत का वास्तविक अर्थ समझ में आया। कई बच्चों ने कहा कि वे आगे चलकर परिवार और समाज में मतदान के प्रति जागरूकता फैलाएंगे।

एम आर एस प्रणामी स्कूल में ई-वोटिंग में मतदान करने को लेकर लाइन में से लगे दिखाई दिए मतदाता

चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कमेटी के सदस्य वोटर से ई-वोटिंग की जानकारी लेते हुए तथा मतदान प्रक्रिया की जांच करते हुए संस्था सचिव अरविंद दाधीच एवं अन्य सदस्य

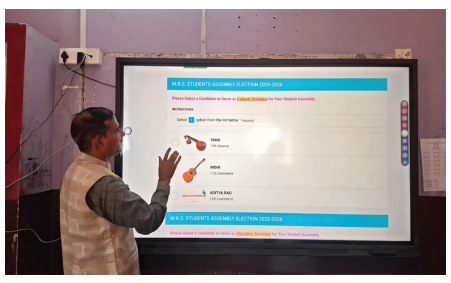

मॉक वोटिंग के माध्यम से बच्चों को मतदान प्रक्रिया की जानकारी देते हुए संस्था निदेशक अनिल दाधीच

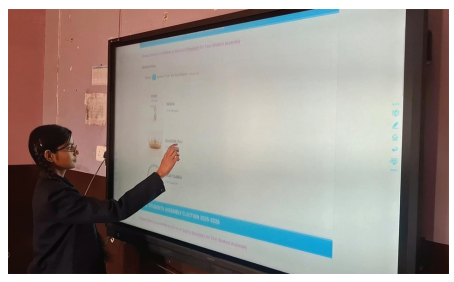

एमआरएस प्रणामी स्कूल की छात्रा ई-वोटिंग करतीं हुई

संस्था प्रधान के कंट्रोल रूम कार्यालय में चुनावी ई-वोटिंग की प्रकिया को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से मॉनिटरिंग करते हुए निदेशक अनिल दाधीच

शिक्षा के साथ नागरिक संस्कारों की मजबूत नींव

विद्यालय की इस अनूठी पहल की अभिभावकों, शिक्षाविदों और समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। एमआरएस प्रणामी स्कूल का यह प्रयास यह साबित करता है कि यदि बच्चों को सही उम्र में लोकतंत्र की व्यावहारिक शिक्षा दी जाए, तो भविष्य में देश को जागरूक, जिम्मेदार और सशक्त नागरिक मिल सकते हैं। यह आयोजन निस्संदेह मतदाता साक्षरता, डिजिटल इंडिया और नागरिक जिम्मेदारी की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है।

निदेशक कार्यालय बना कंट्रोल रूम, सीसीटीवी से हर पल पर नजर

चुनाव की पारदर्शिता को नई ऊंचाई देते हुए विद्यालय निदेशक अनिल दाधीच ने अपने कार्यालय से कंट्रोल रूम संचालित किया। विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरी चुनावी प्रक्रिया पर लगातार निगरानी रखी गई। मतदान केंद्र, कक्षाएं और गतिविधियों पर नजर रखकर यह सुनिश्चित किया गया कि चुनाव पूर्णतः निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हो। इस व्यवस्था ने बच्चों को यह समझाया कि लोकतंत्र में निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही कितनी महत्वपूर्ण होती है।

चुनाव परिणाम 17 दिसंबर को घोषित होंगे

विद्यालय चुनाव आयोग के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि एमआरएस प्रणामी स्कूल के चुनाव के परिणाम 17 दिसंबर को विधिवत रूप से घोषित किए जाएंगे। परिणाम घोषणा के दौरान निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों की सूची सार्वजनिक की जाएगी तथा नवनिर्वाचित छात्र सरकार को शपथ भी दिलाई जाएगी। चुनाव आयोग ने सभी विद्यार्थियों से परिणाम घोषणा तक धैर्य एवं अनुशासन बनाए रखने की अपील की है।

हरियाणा में अब एससी वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगी 1 लाख 11 हजार की छात्रवृति-मुख्यमंत्री सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा । हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने अनुसूचित जाति वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मार्च 2025 की 12 परीक्षा में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले एससी विद्यार्थियों को वन टाइम मेरिट छात्रवृत्ति के रूप में 1 लाख 11 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। इस संबंध में विद्यालय शिक्षा निदेशालय, हरियाणा द्वारा राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। पत्र के अनुसार संबंधित जिलों से पात्र विद्यार्थियों का डाटा निर्धारित प्रपत्र में तैयार कर सत्यापित किया जाएगा। यह डाटा 18 दिसंबर 2025 तक ई-मेल के माध्यम से परीक्षा शाखा को भेजना अनिवार्य होगा । निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि विद्यार्थियों का विवरण बैंक पासबुक की प्रति से मिलान कर सही तरीके से भरा जाए। इसके साथ ही एक्सेल शीट भी उपलब्ध कराई गई है. जिसमें सभी आवश्यक जानकारियां भरनी होंगी। समय पर सूचना न भेजने की स्थिति में संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होंगें।

राजपूत सभा महवा-मंडावर इकाई को मिला नया अध्यक्ष–सर्वसम्मति से दशरथ सिंह नरूका निर्वाचित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । राजपूत समाज की महवा-मंडावर इकाई में रविवार को संगठनात्मक एकता और अनुशासित लोकतांत्रिक प्रक्रिया का स्पष्ट संदेश देखने को मिला, जब राजपूत छात्रावास महवा में आयोजित आमसभा में सर्वसम्मति से दशरथ सिंह वैद्य नरूका ठिकाना केसरी को इकाई अध्यक्ष चुना गया। लंबे विचार-विमर्श और सामाजिक मंथन के बाद लिया गया यह निर्णय समाज को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है, जहां नेतृत्व चयन में किसी भी प्रकार का मतभेद सामने नहीं आया। आमसभा की अध्यक्षता प्रयागसिंह ने की। जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष चयन की संगठनात्मक और विधिक प्रक्रिया को स्पष्ट किया, जिसके बाद महवा और मंडावर उपखंड के विभिन्न गांवों से पहुंचे समाज प्रतिनिधियों ने समाज की वर्तमान चुनौतियों, संगठन की भूमिका और भावी रणनीति को लेकर खुलकर विचार रखे। इसी क्रम में दशरथ सिंह वैद्य के नाम पर सर्वसम्मति बनी और प्रस्ताव को पूरे सदन का समर्थन मिला।निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात जिला कार्यकारिणी और नियुक्त पर्यवेक्षक ने विधिवत घोषणा करते हुए दशरथ सिंह नरूका को राजपूत सभा इकाई महवा-मंडावर का अध्यक्ष घोषित किया। घोषणा होते ही सभा स्थल तालियों से गूंज उठा और उपस्थित समाजजनों ने नव नियुक्त अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया। यह क्षण समाज के भीतर विश्वास, स्थिरता और संगठित नेतृत्व का प्रतीक बनकर सामने आया।

नीमराना में ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, माय भारत अलवर ने किया आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ माय भारत अलवर द्वारा ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कस्बे के राव सोहनलाल पी.जी कॉलेज में हुआ। कार्यक्रम में खो-खो, एथलेटिक्स, कबड्डी, रस्साकशी सहित अनेक खेलों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी रविंद्र यादव और जिला पार्षद वेद प्रकाश खबरी थे, जबकि विशिष्ट अतिथि माय भारत के जिला युवा अधिकारी पंकज यादव और माय भारत के राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अभिषेक कौशिक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज निदेशक नीरज यादव ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। अतिथियों का निदेशक नीरज यादव और प्राचार्य कौशल कुमार ने माला और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। निर्णायक की भूमिका ओमप्रकाश यादव और सुलोचना यादव ने निभाई। 200 मीटर रेस में नितेश, कबड्डी में भगत सिंह क्लब, छात्रा वर्ग कबड्डी में मीरा बाई क्लब, रस्साकशी छात्रा वर्ग में सरोजिनी नायडू क्लब और छात्र वर्ग में प्रताप क्लब विजेता रही। सभी विजेता खिलाड़ियों को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्लॉक स्तर पर विजेता खिलाड़ियों को जिला स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर मोनू यादव, उमेश नागर, निखिल मुदगल, नरेंद्र यादव, आशीष गौड़, सोनू यादव, प्रियंका यादव, पूजा कुमारी, पूजा वर्मा, सोनम यादव, राजेश चौधरी, सुरेंद्र शास्त्री, वीरेंद्र यादव, प्रवीण कुमार आदि बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

कृषि मंत्री व महवा विधायक ने रेल मंत्री को पत्र सौंपकर रखी मांगें

गोमती नगर एक्सप्रेस ठहराव, अंडरब्रिज और उर्वरक रैक प्वाइंट का रखा प्रस्ताव

चाचा-भतीजा की जोड़ी ने दिल्ली में मिलकर जनहितार्थ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात।

भीम प्रज्ञा न्यूज़.महवा।

मनोज खंडेलवाल । महवा विधानसभा क्षेत्र से जुड़े जनहित के अहम मुद्दों को लेकर सोमवार को नई दिल्ली में राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और महवा विधायक राजेन्द्र मीणा ने संयुक्त रूप से केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवश्यकताओं को मजबूती के साथ रखा। दोनों जनप्रतिनिधियों ने पत्र सौंपते हुए तीन प्रमुख मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया, जिन्हें क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और कृषि विकास से सीधे तौर पर जोड़ा गया। विधायक राजेन्द्र मीणा ने मंडावर-महवा रेलवे स्टेशन पर गोमती नगर एक्सप्रेस (19715/19716) के ठहराव की मांग प्रमुखता से उठाई। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन का ठहराव क्षेत्रवासियों को सीधी रेल कनेक्टिविटी देगा, वहीं मेहंदीपुर बालाजी धाम, महावीरजी जैन मंदिर और कैला देवी मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय व्यापार व रोजगार को नई गति मिलेगी। इसी क्रम में विधायक ने मंडावर की सतानंद कॉलोनी स्थित रेलवे फाटक संख्या 82 का मुद्दा उठाते हुए बताया कि यह फाटक दिनभर में लगभग 80 बार बंद रहता है, जिससे एंबुलेंस, स्कूली वाहन और आम नागरिकों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित होती है। उन्होंने इसे जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए यहां अंडरग्राउंड ब्रिज निर्माण को स्थायी समाधान बताते हुए शीघ्र स्वीकृति की मांग रखी।

वहीं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने दौसा जिले के किसानों की व्यावहारिक समस्याओं को सामने रखते हुए मंडावर-महवा रेलवे स्टेशन पर उर्वरक रैक प्वाइंट खोलने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को खाद की समय पर और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा हर वर्ष उर्वरकों की किल्लत से राहत मिलेगी, जिससे कृषि व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। दोनों जनप्रतिनिधियों ने इन तीनों अहम मांगों को लेकर रेल मंत्री को संयुक्त रूप से ज्ञापन सौंपा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों से आवश्यक परीक्षण और प्रक्रिया प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया। स्थानीय नेताओं ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य स्तर पर चाचा-भतीजा की इस समन्वित और सक्रिय पहल से महवा-मंडावर क्षेत्र को आने वाले समय में रेल और कृषि से जुड़े बड़े विकास कार्यों की सौगात मिलेगी, जिससे आमजन और किसानों को स्थायी और प्रत्यक्ष लाभ पहुँचेगा।

नीमराना में MSME उद्यमियों के लिए पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र को वित्तीय रूप से सशक्त एवं प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से नीमराना में पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत एमएसएमई के वित्तीय प्रबंधन विषय पर आयोजित किया जा रहा है। लघु उद्योग भारती के नीमराना इकाई अध्यक्ष शशांक भारद्वाज, सचिव सुनील कुमार जुनेजा और एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर गुरिंदर नाथ भारद्वाज ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन एमएसएमई विकास संस्थान, जयपुर एवं एनआईआईटी यूनिवर्सिटी नीमराना और लघु उद्योग भारती इकाई नीमराना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। शिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार, 15 दिसंबर 2025 को एनआईआईटी यूनिवर्सिटी परिसर में हुआ। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 19 दिसंबर तक चलेगा।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में एमएसएमई विकास संस्थान के अधिकारियों एवं एनआईआईटी यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर बताया गया कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को वित्तीय प्रबंधन, लागत नियंत्रण, लेखा-जोखा, विपणन रणनीति, व्यवसाय योजना, सरकारी योजनाओं की जानकारी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पांच दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 60 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 27 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। चयनित प्रतिभागी विभिन्न जगह से आए एमएसएमई उद्यमी एवं प्रबंधक हैं, जिन्हें विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई उद्यमियों को वित्तीय रूप से मजबूत बनाकर उन्हें बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम करना है। प्रशिक्षण के समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान रैफल्स यूनिवर्सिटी डीन अलाबार स्कूल मैनेजमेंट के प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार एवं अन्य विशेषज्ञों के द्वारा प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन से क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम के दौरान यूनिवर्सिटी के हरेंद्र सिंह चौहान एवं विभिन्न विषय विशेषज्ञ मौजूद रहे।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने अधिकारियों के साथ समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त सभी आवेदनों पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। समाधान शिविरों के माध्यम से जनता को एक ही स्थान पर सभी विभागों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो मामले मौके पर निपटाए जा सकते हैं, उन्हें वहीं तत्काल हल किया जाए। शिविर में आए कई आवेदनों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के निवारण के लिए संबंधित विभागों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित कार्य पेंशन, परिवार पहचान पत्र, बिजली, राजस्व तथा अन्य नागरिक सेवाओं से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपनी शिकायतें इन समाधान शिविरों के माध्यम से निवारण करवाएं।

हरियाणा में दलितों पर अत्याचार पर पुलिस मुकदमा दर्ज करने में करती है आना कानी-एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

हरियाणा मुख्यमंत्री व डीजीपी ले मामलों पर संज्ञान

भीम आर्मी हरियाणा (लीगल विंग) ने हरियाणा में दलितों पर अत्याचार के बढ़ रहे मामलों पर पुलिस मुकदमा दर्ज न करने पर जताई चिंता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत रंगा । हरियाणा में दलितों पर बढ़ रहे अत्याचार के मामलों पर हरियाणा पुलिस जल्दी से आरोपी पर कार्यवाही नहीं करने से अनूसूचित जाति समाज में काफी रोष व्याप्त है। हरियाणा भीम आर्मी लीगल विंग के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व हरियाणा में पुलिस प्रमुख डीजीपी को पत्र लिखकर दलित समाज पर हो रहे अत्याचार के बाद स्थानीय पुलिस व प्रशासन द्वारा उसे दबाने के मामलों पर चिंता जताई है, एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने अपने शिकायत पत्र में शिकायत की है कि गांव देहात या शहर में जब भी किसी दलित वर्ग के महिला पुरूष के साथ किसी प्रकार की अमानवीय व्यवहार की घटना होती है या अत्याचार की वारदात होती है तो शिकायत कर्ता की शिकायत को स्थानीय पुलिस व प्रशासन हल्के में लेता है और उस शिकायत की सच्चाई पर न जाकर उल्टा शिकायत कर्ता पर समझौता के लिए दबाव बनाया जाता है अन्त में जिस कारण शिकायत कर्ता द्वारा दी गई शिकायत पर या तो समझौते करवा दिया जाता है या उस शिकायत को निरस्त कर दिया जाता है जिससे दलित वर्ग अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने पत्र में यह आरोप भी लगाया है कि छुआ-छूत अधिनियम के तहत मामला की जांच व कानूनी कार्यवाही कम-से-कम उप पुलिस अधीक्षक रैंक के जांच अधिकारी द्वारा की जानी अति आवश्यक है जब की ज्यादातर शिकायत को हवलदार तक जांच के लिए थमा दिया जाता है जिस कारण दलित शिकायत कर्ता के साथ न्याय नहीं हो पाता, हरियाणा सरकार व पुलिस प्रशासन के डीजीपी हरियाणा को दलित वर्ग की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए जाने का अनुरोध किया है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लग सकें।

भारत ने रचा इतिहास, धर्मशाला टी20आई जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई (एजेंसी)। धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20आई मैच में भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने न सिर्फ पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त हासिल की, बल्कि टी20ढ्ढ इतिहास में एक बड़ा कीर्तिमान भी अपने नाम कर लिया।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा

इस जीत के साथ भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत दर्ज करने के मामले में ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों के नाम 19-19 जीत थीं, लेकिन अब भारत ने 20वीं जीत के साथ बढ़त बना ली है। दक्षिण अफ्रीका की मजबूत ञ्च20 टीम के खिलाफ यह उपलब्धि भारत की निरंतरता और मजबूत व्हाइट-बॉल सेटअप को दर्शाती है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा टी20आई जीत

भारत - 34 मैचों में 20 जीत
ऑस्ट्रेलिया - 28 मैचों में 19 जीत
वेस्टइंडीज - 26 मैचों में 14 जीत
पाकिस्तान - 27 मैचों में 14 जीत
इंग्लैंड - 28 मैचों में 13 जीत

लक्ष्य का आसानी से पीछा

भारतीय गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन ने दक्षिण अफ्रीका को 118 रन के मामूली स्कोर पर रोक दिया। इसके बाद भारतीय बल्लेबाजों ने लक्ष्य का आसानी से पीछा करते हुए 15.5 ओवर में ही सात विकेट रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया, जिससे मैच में भारत का दबदबा साफ नजर आया।

ऑलराउंड प्रदर्शन से सीरीज में बढ़त

तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के संयुक्त प्रयास से दक्षिण अफ्रीका को सीम और उछाल मददगार परिस्थितियों में 117 रन पर समेट दिया गया। इसके बाद भारत ने 25 गेंद शेष रहते 118 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने दो-दो विकेट लिए, जबकि हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली। सात ओवर के भीतर 30/4

पर सिमटने के बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने पावरप्ले में 18 गेंदों पर 35 रन बनाए। शुभमन गिल (28) और तिलक वर्मा (नाबाद 25) को रन बनाने में थोड़ी दिक्कत हुई, जबकि सूर्यकुमार यादव 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि अभिषेक की शुरुआती आक्रामक बल्लेबाजी के चलते लक्ष्य हमेशा भारत की पहुंच में रहा और अंत में शिवम दुबे (नाबाद 10) ने शानदार शॉट्स लगाकर मैच खत्म किया।

चौथे टी20 में शुभमन की जगह मिल सकता है सैमसन को अवसर

-टीम में हो सकते हैं तीन बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुम्बई (ईएमएस)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही जारी पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैसमन को अवसर मिल सकता है। गुरुवार को लखनऊ में होने वाले इस मैच में भारतीय टीम प्रबंधन अंतिम ग्यारह में तीन बदलाव कर सकती है। इसके तहत ही उपकप्तान शुभमन गिल की जगह पर पारी की शुरुआत के लिए सैमसन को अवसर मिल सकता है। सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अक्टूबर 2025 के बाद से ही टीम से बाहर हैं, ऐसे में उन्हें जगह देने की मांग उठ रही है। वहीं शुभमन पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पा रहे। पहले टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 4 रन बनाये थे जबकि दूसरे मैच में वह शून्य पर ही आउट को गये थे। तीसरे टी20 में उन्होंने 28 गेंद में 28 रन बनाए पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में अंतिम ग्यारह में उन्हें जगह मिलना कठिन है।.

सैमसन के अलावा स्पिनर अक्षर पटेल और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी इस मैच में शामिल किया जा सकता है। तीसरे टी20 में इन दोनो को ही आराम दिया गया था। अब देखना अक्षर और बुमराह के शामिल होने से किसे बाहर किया जाता है। तीसरे टी20 में इनकी जगह पर हर्षित राणा और कुलदीप यादव को मौका मिला था और दोनों ने दो-दो विकेट लेकर अपने को साबित किया था।

वहीं अगर टीम प्रबंधन कुलदीप और हर्षित को बनाये रखता है तो अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती को बाहर किया जा सकता है। हर्षित और कुलदीप की तरह अर्शदीप और वरुण ने भी तीसरे टी20 में दो-दो विकेट लिए थे। चौथे टी20 में भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी बड़ी पारी खेलनी होगी। वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं।

संभावित अंतिम ग्यारह: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह।

खराब फार्म की बात से सूर्यकुमार ने इंकार किया, बोले जब जरुरत होगी रन आयेंगे

धर्मशाला । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एक बार फिर रन बनाने में असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में भी वह 12 रन ही बना पाये। वहीं जब उनसे फार्म में नहीं होने को लेकर पूछा गया तो सूर्यकुमार का जवाब सुनकर सभी हैरान हो गये। सूर्या ने लय में नहीं होने की बात को खारिज करते हुए कहा कि जब जरुरत होगी तो आ जाएंगे। कप्तान के तौर पर उनके इस बयान की आलोचना भी हो रही है। सभी प्रशंसकों का मानना है कि टीम जीत रही है, इसी लिए अधिक सवाल नहीं उठ रहे हैं पर कप्तान को आगामी विश्वकप को देखते हुए रन बनाने ही होंगे। विश्वकप से पहले भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टी20 और उसके बाद नए साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

सूर्यकुमार ने कहा, 'मैंने नेट में अच्छी बल्लेबाजी की है, इसलिए जब रन बनाने की जरूरत होगी, तब बनेंगे।' सूर्यकुमार ने इस सीरीज के तीन मैचों में 12, पांच और 12 रन बनाये हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि मैं फॉर्म में नहीं हूं हालांकि रन नहीं बना पाया हूं।' उन्होंने कहा कि टीम ने पिछले मैच में मिली हार से सबक लेकर अच्छी वापसी की है।

बीसीसीआई ने जारी कर दिया फरमान !, रोहित-विराट को भी इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने होंगे दो मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के मौजूदा खिलाड़ियों के लिए 24 दिसंबर से शुरू हो रही विजय हजारे ट्रॉफी में कम से कम दो वनडे मैच खेलना अनिवार्य कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी टी20 मैच (19 दिसंबर) और न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे (11 जनवरी , 2026) के बीच तीन सप्ताह से अधिक का अंतर है और बोर्ड चाहता है कि सभी सीनियर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी को यह निर्देश दे दिया है। इस साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद यह सिफारिश की गई थी। इसमें हर प्रारूप में घरेलू क्रिकेट पर अधिक जोर देने के लिए कहा गया था। विराट कोहली और रोहित शर्मा टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की सूचना दे चुके हैं। वहीं सीनियर

खिलाड़ी शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव को अपनी अपनी टीमों के लिये कम से कम दो मैच खेलने के लिए कहा जा सकता है।

बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे ट्रॉफी के 6 दौर 24 दिसंबर से खेले जाने हैं। यह खिलाड़ियों और उनके प्रदेश संघों पर निर्भर करता है कि वे कौन से दो दौर खेलना चाहते हैं। किसी को छूट तभी दी जाएगी जब उत्कृष्टता केंद्र से किसी को अनफिट घोषित किया जाता है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद चोट से उबरने के लिए काफी समय होगा।'

इस निर्देश से यह धारणा भी टूटेगी कि चयन समिति और मुख्य कोच गौतम गंभीर सिर्फ कोहली और रोहित का उदाहरण देना चाहते हैं जिन्हें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह को धर्मशाला में तीसरे टी20 से पहले निजी कारणों से घर लौटना पड़ा। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार उनके करीबी परिजन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्र ने कहा, 'सब कुछ ठीक रहा तो वह चौथे या पांचवें मैच के लिये लौट सकते हैं।'

जीएस दिल्ली एसेस ने पहली बार जीता टेनिस प्रीमियर लीग का खिताब

अहमदाबाद ।GS दिल्ली एसेस ने यहां टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के फाइनल में यश मुंबई ईगल्स पर 51-36 से शानदार जीत के साथ पहली बार इस खिताब पर कब्जा किया। बेल्जियम की खिलाड़ी सोफिया कोस्टौलास ने रविवार देर रात एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए रिया भाटिया को 18-7 से हराकर महिला एकल में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। कोस्टौलास और जीवन नेदुनचेझियान की मिश्रित युगल जोड़ी ने दमदार रिटर्न और आत्मविश्वास से भरे नेट प्ले के साथ भाटिया और निकी पुनाचा की जोड़ी को 16-9 से हराकर दिल्ली एसेस की बढ़त को और मजबूत कर दिया ।पुरुष एकल में मुंबई ईगल्स के विश्व नंबर 57 दामिर जुम्हूर ने बिली हैरिस को 16-9 से हराया कुछ हद तक टीम की वापसी कराई लेकिन जीएस दिल्ली एसेस के पास अब भी 11 अंकों की बढ़त थी। पुरुष युगल हैरिस और नेदुनचेझियान ने संयमित और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए निकी पुनाचा और जुम्हूर को 8-4 से हराकर दिल्ली की जीत पर मुहर लगा दी।

पंड्या ने बनाया नया रिकार्ड : 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले पहले तेज गेंदबाज बने

धर्मशाला । भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। पंड्या ने इस मैच में एक विकेट लेते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। अब इस प्रारुप में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट लेने वाले वह पहले तेज गेंदबाज बन गये हैं। उनके अलावा केवल स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने ही ये कारनामा किया है। पंड्या इस प्रारुप में 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। उनसे पहले अर्शदीप सिंह ने 109 और जसप्रीत बुमराह ने इस प्रारुप में 101 विकेट लिए हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में दो विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की। अब वरुण सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव ने 30 मुकाबलों में ये रिकार्ड बनाया है।

भारत ने पहली बार जीता स्क्वाश विश्व कप का खिताब, पीएम नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने स्क्वाश विश्व कप के फाइनल में रविवार को हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार इस खिताब को जीत इतिहास रच दिया। भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला एशियाई देश बन गया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में कांस्य पदक जीतना था।

यह खिताबी जीत भारतीय स्क्वाश के लिए निश्चित रूप से अच्छी खबर है क्योंकि यह खेल लॉस एंजिल्स 2028 में ओलंपिक में अपना पदार्पण करने जा रहा है। मिश्रित टीम स्पर्धा में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब अपने नाम किया। ग्रुप चरण में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को समान 4-0 के अंतर से हराने के बाद भारत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और दो बार के चैंपियन मिस्र को 3-0 से हराया।

विश्व रैंकिंग में 79वें स्थान पर काबिज जोशना चिनप्पा ने 37वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली का यी पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत से फाइनल में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह (विश्व रैंकिंग में 29) ने 42वें स्थान पर काबिज एलेक्स लाउ को 3-0 से जबकि 17 वर्षीय अनाहत सिंह ने विश्व रैंकिंग में 31वें स्थान पर काबिज टोमाटो हो को इसी अंतर से हराकर भारत के लिए खिताब पक्का कर दिया।

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इतिहास रचने और अपना पहला स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई दी। पीएम मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह की लगन और दृढ़ संकल्प की तारीफ की और कहा कि टीम ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीत देश को प्रेरित करेगी और युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता बढ़ाएगी।

पीएम मोदी ने X पर कहा, 'स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप खिताब जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और दृढ़ संकल्प दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित किया है। यह जीत हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।'

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर हुआ गिरफ्तार, भ्रष्टाचार के लगे आरोप

कोलंबो । श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और विश्व कप विजेता कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार रोधी आयोग ने गिरफ्तार किया था लेकिन सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग (CIABOC) ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (CPC) द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। वह उस समय इसके अध्यक्ष थे। सीआईएबीओसी ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था। CIABOC ने कोलंबो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन को इस मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित किया गया है। अर्जुन को गिरफ्तार नहीं किया जा सका क्योंकि वे विदेश में हैं। अर्जुन पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे जब दम्मिका सीपीसी के प्रमुख थे। दम्मिका ने 1989-90 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सलामी बल्लेबाज के रूप में दो टेस्ट मैच खेले थे। बाद में वह देश में इस खेल के शासी निकाय श्रीलंका क्रिकेट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) बने।

वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण अब तक का सबसे बेहतर : ब्रेट ली

सिडनी ।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा है कि कप्तान पैट कमिंट की आगुवाई में वर्तमान गेंदबाजी आक्रमण सबसे बेहतर है। इस तेज गेंदबाज का कहना है कि एक समय जहां उनके साथ ग्लेन मैक्ग्रा, शेन वॉर्न और जेसन गिलेस्पी जैसे घातक तेज गेंदबाज थे। वहीं आज के समय में उससे भी बेहतर संयोजन कमिंस , मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लॉयन जैसे गेंदबाजों के पास है। साथ ही कहा कि ये अब तक तक सबसे बेहतर गेंदबाजी आक्रमण माना जा सकता है। इसने सभी पिछले आक्रमणों को पीछे छोड़ दिया है। गौरतलब है कि अबमक कमिंस, स्टार्क, लायन और हेजलवुड ने कुल मिलाकर 389 टेस्ट मैचों में ही 1,586 विकेट निकाल लिय हैं। इन चार में से तीन गेंदबाजों ने 300 विकेट लिये हैं, जबकि हेजलवुड ने 295 विकेट लिए हैं और माना जा रहा है कि वापसी पर हेजलवुड भी 300 का आंकड़ा हासिल कर लेंगे। कमिंस स्टार्क, हेजलवुड और लायन ने एकसाथ मिलकर ऑस्ट्रेलिया के लिए अभी तक 35 टेस्ट खेले हैं, जिसमें से ऑस्ट्रेलियाई टीम को 22 में जीत मिली है जबकि नौ में टीम हारी है। वहीं चार मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। एक साथ अंतिम ग्यारह में रहते हुए इन चारों ने कुल मिलकर रिकॉर्ड 567 विकेट लिए हैं। वहीं साल 2000 के दशक में ली ने मैकग्रा, वॉर्न और गिलेस्पी के साथ मिलकर कुल 1842 विकेट लिए थे। इन चारों ने मिलकर 16 टेस्ट खेले थे जिसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 में जीती थी पर इसके बाद भी ली का मानना है वर्तमान समूह ने बेहतर तरीके से उनकी जगह ले ली है। ली ने कहा, मुझे लगता है कि कमिंस और उनके साथी अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं हालांकि किसी भी दौर की दूसरे से तुलना नहीं की जा सकती है पर मैं उन्हें हमसे ऊपर रखूंगा। अगर आप सिर्फ स्टैट्स देखें, तो सभी ने 250 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं, और ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

युवा खिलाड़ियों से दुर्व्यवहार कर रहा था ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, अनिश्चित काल के लिए लगा प्रतिबंध

न्यू साउथ वेल्स (ऑस्ट्रेलिया) । युवा खिलाड़ियों के साथ कथित दुर्व्यवहार की एक गंभीर शिकायत के बाद न्यू साउथ वेल्स (NSW) के एक क्रिकेटर पर किसी भी स्तर पर खेलने पर अनिश्चित काल के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड में छपी खबर के अनुसार, NSW और एक टी20 टीम के लिए खेल चुके एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन बोर्ड की एक आपात बैठक के बाद रद्द कर दिया गया है। यह संवेदनशील मामला है और पुलिस इसकी जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई आरोप नहीं लगाया गया है। क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स के एक प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर बताया कि खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। बयान में कहा गया है, 'एक गंभीर शिकायत के बारे में पता चलने के बाद क्रिकेट न्यू साउथ वेल्स बोर्ड ने तुरंत प्रभाव से एक खिलाड़ी का रजिस्ट्रेशन स्थायी रूप से रद्द करने का फैसला किया है। नतीजतन, उसे क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों में शामिल होने से अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया गया है। जब तक जांच चल रही है, हम इस मामले पर और टिप्पणी नहीं कर सकते।' सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट में बताया कि यह शिकायत खिलाड़ी के सिडनी ग्रेड क्लब से आई थी और यह हाल ही में की गई थी।

लक्ष्मी गुप्ता 73 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम

वाराणसी । बालिका सब जूनियर खेल विभाग एवं उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के समन्वय से 25 से 27 दिसंबर 2025 तक मऊ जिला खेल कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें वाराणसी मंडल की टीम भाग लेगी, जिसके लिए जनपद स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को सुबह 9:00 से 10:00 तक वजन एवं 11:00 बजे से चयन ट्रायल किया गया। बालिकाओं का रिजल्ट इस प्रकार है। 40 किलो में प्रिया यादव43 किलो में प्रिया बिन्द 46 किलो में नेहा पाल 49 किलो मे रितिका कुमारी 53 किलो में सृष्टि यादव 57 किलो में खुशबू कुमारी 61 किलो में आराध्या यादव 65 किलो में खुशी चौहान 69 किलो में होली यादव 73 किलो में लक्ष्मी गुप्ता प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सभी बालिका पहलवान वाराणसी जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे मंडल स्तर पर चंदौली गाजीपुर जौनपुर जनपद भी भाग लेगा। मंडल स्तर पर 18 दिसंबर 2025 को सुबह 10:00 बजे से 11:00 तक वजन 12:00 से चयन ट्रायल डॉ संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा वाराणसी में किया जाएगा।

हम आखिर हासिल क्या करना चाह रहे हैं, मेस्सी के G.O.A.T. दौरे पर बोले पूर्व ओलंपिक विजेता अभिनव बिंद्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भारत के पूर्व निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी के भारत दौरे के घटनाक्रम की आलोचना करते हुए कहा कि इस महान खिलाड़ी के करीब आने या उसके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किए जाने को लेकर वह काफी दुखी हैं। मेस्सी के तीन दिन के भारत दौरे पर काफी अराजकता देखी गई चूंकि राजनेताओं, फिल्मी हस्तियों, उद्योगपतियों और अधिकारियों में उनके साथ तस्वीर लेने को लेकर होड़ रही।

कोलकाता में तो प्रशंसकों के सब्र का बांध टूट गया जो हजारों रूपए के टिकट खरीदने के बावजूद उनकी एक झलक भी नहीं पा सके। बिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'जैसे-जैसे उनका हालिया भारत दौरा आगे बढ़ा, कुछ जगहों पर अफरा तफरी हुई और मुझे काफी असहज लगा। इसने मुझे रुकने और सोचने पर मजबूर किया, इस बात की सच्ची चिंता में कि हम असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे थे।'

उन्होंने कहा, 'एक पल के लिए उनके करीब जाने या तस्वीर खिंचवाने के लिए लाखों रूपए खर्च किये जा रहे हैं। यह ईमानदारी से कमाया गया लोगों का पैसा है और वे चाहे जैसे इसे खर्च करें। लेकिन मैं दुखी हूं और मुझे हैरानी हो रही है कि क्या यह संभव था कि इस ऊर्जा और निवेश का एक हिस्सा भी हमारे देश में खेलों की बुनियाद पर खर्च किया जा सकता था।'

बिंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान के लिए उनके मन में अपार सम्मान है जो इस समय दुनिया के सबसे चहेते खिलाड़ियों में से हैं। उन्होंने कहा, 'लियोनेल मेस्सी उन खास खिलाड़ियों में से हैं जिनकी कहानी खेल से कहीं आगे है। शारीरिक मुश्किलों से लड़ने वाले एक बच्चे से लेकर एक महान फुटबॉलर तक के उनके सफर ने दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित किया है। मैं उनकी उस खूबी के लिए बहुत सम्मान और तारीफ करता हूं जो उनमे नजर आती है मसलन लगन, विनम्रता और महानता।'

उन्होंने कहा, 'मैं खेलों का अर्थशास्त्र समझता हूं। मैं व्यावसायिक सच्चाई, वैश्विक ब्रांडिंग और महान खिलाड़ी के आकर्षण को समझता हूं। मैं मेस्सी को किसी भी तरह से गलत नहीं मानता। उन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर मौके को कमाया है और महानता की तारीफ करना स्वाभाविक है।' मेस्सी के G.O.A.T. दौरे का फुटबॉल से कोई सरोकार नहीं है और उनका कार्यक्रम मुलाकातों तक सीमित है जिसमें प्रशंसकों से सीधे मुलाकात नहीं है। बिंद्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए इस्तेमाल किए गए संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हो सकता था।

बिंद्रा ने कहा, 'एक समाज के रूप में हम खेल संस्कृति का निर्माण कर रहे

हैं या दूर से व्यक्ति पूजा कर रहे हैं। खेलों में महान देश पलों के आधार पर नहीं, तंत्र के आधार पर बनते हैं। संयम के साथ। असाधारण सपने देखने वाले साधारण बच्चे में भरोसा करके।' बिंद्रा ने कहा, 'मेस्सी जैसे आइकन हमे प्रेरित करते हैं और वह प्रेरणा काफी मायने रखती है। लेकिन प्रेरणा का उद्देश्य भी होना चाहिए। दीर्घकालिन प्रतिबद्धता। विकल्प ऐसे चुनने चाहिए जिनसे हम बस आज भर के लिए रोमांचित नहीं हों बल्कि कल को भी मजबूत करें।'

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं विद्युत जामवाल

विद्युत जामवाल फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अब फिल्म से उनका पहला लुक सामने आया है। अपने फर्स्ट लुक में विद्युत बाल्ड लुक में काफी दमदार नजर आ रहे हैं। उनका ये लुक रिवील होते ही सोशल मीडिया पर भी छाया हुआ है।

बोल्ड लुक में नजर आए विद्युत

लोकप्रिय वीडियो गेम पर आधारित फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल योगी धल्सिम की भूमिका में नजर आएंगे। अब उनका पहला लुक सामने आया है। इस लुक में विद्युत बाल्ड (गंजे) नजर आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में विद्युत मार्शल आर्ट की एक पोजिशन में नजर आ रहे हैं। वो हाथों, पैरों, गले और कानों में अजीब से भारी आभूषण पहने हुए हैं। सिर और चेहरे पर लाल रंग से लाइनें भी बनी हुई हैं। विद्युत का फर्स्ट लुक काफी आकर्षक लग रहा है। स्ट्रीट फाइटर 16 अक्तूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

किताओ सकुराई का है निर्देशन

कैपकॉम के वीडियो गेम से प्रेरित 'स्ट्रीट फाइटर' का निर्देशन 'बैड ट्रिप' और 'आर्डवार्क' के निर्देशक किताओ सकुराई ने किया है। फिल्म में विद्युत जामवाल के अलावा नोआ सेंटिनियो केन मास्टर्स के रूप में, एंड्रयू कोजी रयू के रूप में, कैलिना लियांग चुन-ली के रूप में, रोमन रेन्स अकुमा के रूप में, डेविड डस्टमाल्चियन एम. बाइसन के रूप में, ड्वड्वश्च स्टार कोडी रोड्स गाइल के रूप में, एंड्रयू शुल्ज डैन हिबिकी के रूप में, एरिक आंद्रे डॉन सौवेज के रूप में, कर्टिस 50 सेंट जैक्सन बैलरोग के रूप में और जेसन मोमोआ ब्लैंका के रूप में शामिल हैं। फिल्म में ओरविल पेक वेगा के रूप में, ओलिवियर रिचर्स जागिफ के रूप में, हिरूकी गोटो ई. होंडा के रूप में, रायना वैलैंडिंगम जूली के रूप में, अलेक्जेंडर वोल्कानोव्स्की जो के रूप में, काइल मूनी मार्विन के रूप में और मेल जार्नसन कैमी के रूप में भी नजर आएंगे।

ऐसी है फिल्म की कहानी

1993 में आधारित यह फिल्म आगामी विश्व योद्धा टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके लिए स्ट्रीट फाइटर्स रयू और केन मास्टर्स को रहस्यमयी चुन-ली द्वारा भर्ती किया जाता है। यह लड़ाई इन लड़ाकों को उनके अतीत के बुरे अनुभवों से भी लड़ने के लिए मजबूर करती है।

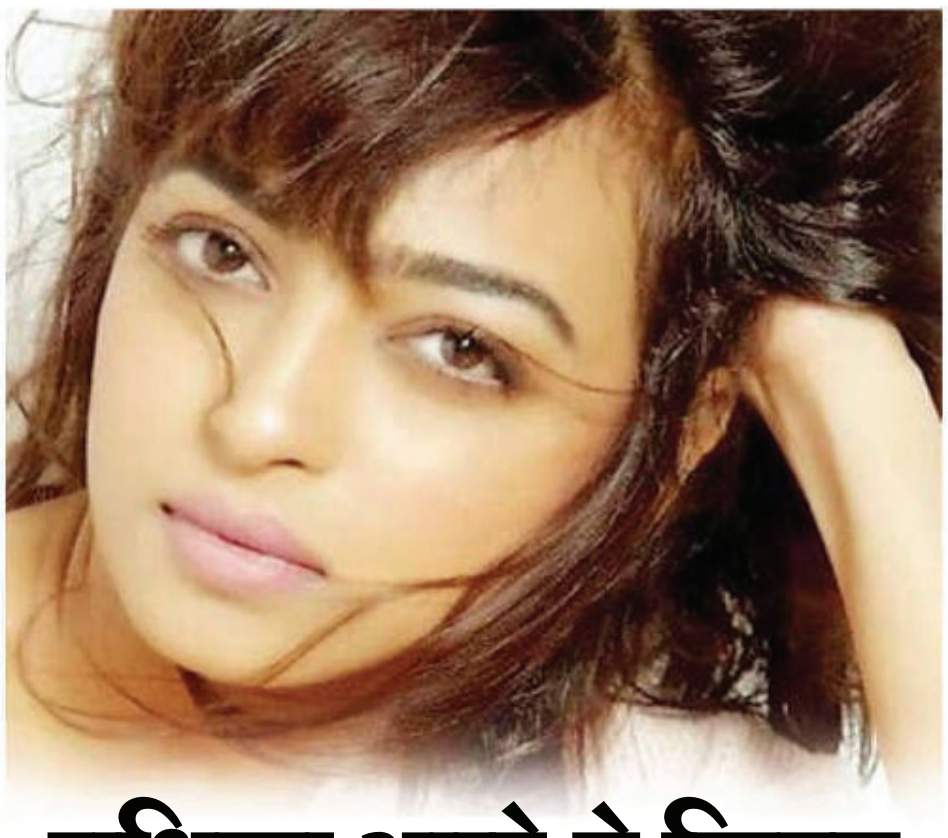

राधिका आप्टे ने फिल्म साली मोहब्बत से जुड़े अनुभव पर चर्चा की

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर राधिका आप्टे, दिव्येन्दु शर्मा और अनुराग कश्यप की फिल्म साली मोहब्बत आई है जो कि थ्रिलर-ड्रामा फिल्म है। हसीन दिलरुबा के बाद बहुत समय के बाद एक ऐसी फिल्म आई है जिसमें प्यार, धोखा, नफरत और मरने-मारने की जिद नजर आती है। बातचीत में राधिका ने फिल्म से जुड़े अनुभव पर चर्चा की। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश..

टिस्का ने हमें पूरी आजादी दी

फिल्म 'साली मोहब्बत' की निर्देशक टिस्का चोपड़ा के बारे में बात करते हुए राधिका आप्टे कहती हैं, 'एक अभिनेता का निर्देशक होना बड़े ही फायदे की बात है। उसे अभिनय से जुड़ी मुश्किलें पहले से पता होती हैं तो कई चीजें समझाने की जरूरत नहीं पड़ती। उससे बातचीत भी एक अलग स्तर पर हो जाती है। टिस्का इस मामले में बेहद संतुलित हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें क्या चाहिए और फिर हमें अपने तरीके से किरदार निभाने की आजादी दी।'

दिव्येंदु बारीकियों पर काम करने वाले अभिनेता हैं

वहीं अभिनेता दिव्येंदु शर्मा के साथ काम करने के अनुभव साझा करते हुए राधिका ने कहा, 'सेट पर माहौल हमेशा हल्का रहता था और हम दोनों की आपस में अच्छी बनती थी। वह एक अच्छे अभिनेता हैं...बारीकियों पर काम करने वाले और क्रिएटिव। उन्हें काम करते देखना दिलचस्प रहता था। कई बार हम दोनों एक-दूसरे का सीन देखकर हंस देते थे। कुल मिलाकर उनके साथ काम करने का अनुभव सहज रहा।'

ऐसा किरदार पहले नहीं निभाया

वहीं जब बात हुई किरदार की तो राधिका बोलीं, इस किरदार और मेरे पहले निभाए गए किरदारों में सबसे बड़ा फर्क यह है कि यह बहुत शांत और अंतर्मुखी है। वह ज्यादा बोलती नहीं है, अपने आप में रहती है। इस तरह का स्वभाव मैंने पहले किसी किरदार में नहीं निभाया था।'

कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है, सीखने के तौर पर मैंने किस-किस को प्यार करूं-2 की

हिंदी, तमिल और बंगाली फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री त्रिधा चौधरी की फिल्म किस-किस को प्यार करूं-2 शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बीच त्रिधा ने फिल्म से जुड़े अनुभव, अपने किरदार और कपिल शर्मा के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि मेरा मानना है कि एक्टर्स ऐसे रोल चुनते हैं जिनकी स्क्रिप्ट उन्हें ज्यादा मजबूत लगती है। मैंने आश्रम में बोल्ड और शातिर बबीता का किरदार निभाया था। उसके बाद टाइपकास्ट न किया जाए, इसके लिए हर तरह के किरदार निभाना चाहिए। हालांकि सीरीज आश्रम के बाद मुझे बोल्ड रोल ही ऑफर हुए थे। उन्होंने ये भी कहा कि चाहे मैं किसी को मुक्का मारूं या किस करूं, दोनों ही एक्टिंग हैं। फिल्म में अपने किरदार मीरा पर बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि कॉमेडी एक अलग तरह की चुनौती है। लोगों को लगता है कि यह करना आसान है, क्योंकि आपको बस दूसरों को हंसाना ही तो है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। ऐसे में सीन के दौरान टाइमिंग, घबराहट, इमोशन्स हर चीज को थामकर चलना पड़ता है। मैंने आज से पहले कभी कॉमेडी नहीं की, इसलिए मैं इसे अपने सीखने का तौर पर करूंगी। फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर त्रिधा चौधरी ने कहा कि फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत अच्छे से लिखी गई है। जब आप फिल्म देखेंगे, तो आपको समझ आएगा कि मीरा कितनी जरूरी है। कई लोगों ने मुझसे पूछा, तुम अकेली हीरोइन नहीं हो तो यह फिल्म क्यों? लेकिन अब समय बदल गया है। हीरोइनों की गिनती से ज्यादा किरदार मायने रखता है। उन्होंने आगे बताया कि मीरा का किरदार उनकी असल जिंदगी जैसा ही है। मीरा चुलबुली है और त्रिधा भी असल जिंदगी में बहुत जॉली और चुलबुली हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं ऐसे रोल का इंतजार कर रही थी जहां मैं अपना ड्रामा और एनर्जी दिखा सकूं। मुझे अक्सर सीरियस या कंट्रोल्ड रहने के लिए कहा जाता था, लेकिन मीरा ने मुझे एक्सप्रेसिव और बेफिक्र रहने का मौका दिया। किस-किस को प्यार करूं-2 मल्टी एक्ट्रेस वाली फिल्म है, जिसमें चार अभिनेत्रियां लीड रोल में हैं। ऐसे में सेट पर बाकी हीरोइंस के साथ अपने एक्सपीरियंस पर त्रिधा ने कहा कि सेट पर थोड़ा नर्वस फील होने लगता था। रिहर्सल बहुत मुश्किल थी और मैं सबके सपोर्ट के बिना यह नहीं कर पाती।

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया ओटीटी डेब्यू के लिए तैयार

हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग पूरी

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया पहले ही छोटी सरदारनी सीरियल से छा चुकी हैं। उन्हें हाल ही में पंजाबी फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया है, जिसमें वे बब्बू मान और गुरु रंधावा के साथ देखी गई थीं, लेकिन अब अभिनेत्री ओटीटी पर भी अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने हिंदी वेबसीरीज की शूटिंग भी पूरी कर ली है। अभिनेत्री निमृत कौर अहलूवालिया ने हाल ही में फिल्म के पर्दे के पीछे की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं, जिनमें संजय कपूर, शाहीर शेख, मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, हर्मन सिंघा और आशीमा वरदान जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे जल्द ही एक हिंदी वेबसीरीज में नजर आने वाली हैं, जिससे उनका ओटीटी डेब्यू होने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने खास बातचीत में बताया कि ये प्रोजेक्ट निमृत के अब तक के सबसे प्रॉमिसिंग प्रोजेक्ट्स में से एक है। पर्दे पर उनका किरदार अपनी भावनात्मक गहराई और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने की ताकत रखता है। शूटिंग पूरी हो चुकी है। मुंबई और पंजाब में शूटिंग हुई है। हालांकि अभी रिलीज की तारीख और फिल्म से जुड़ी जानकारियों को गुप्त रखा गया है।

निमृत कौर अहलूवालिया को आखिरी बार फिल्म शौंकी सरदार में देखा गया, जो पर्दे पर 16 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म का निर्देशन धीरज केदारनाथ रतन ने किया है, जबकि फिल्म का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली और धर्मेंद्र बताओली ने किया है। शौंकी सरदार में भरपूर एक्शन और कॉमेडी देखने को मिली। दर्शकों ने भी फिल्म को मिला-जुला रेस्पॉन्स दिया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा एक्ट्रेस म्यूजिक वीडियो भी कर चुकी हैं। टीवी में अपना करियर शुरू करने से पहले साल 2018 में निमृत कौर अहलूवालिया ने फेमिना मिस मणिपुर का खिताब जीता था, जिसके बाद उन्हें पहला ब्रेक बी प्राक के म्यूजिक वीडियो मस्तानी में मिला था। ये गाना सुपरहिट साबित हुआ, लेकिन एक्ट्रेस को खास पहचान नहीं मिली, लेकिन साल 2019 में वे छोटी सरदारनी सीरियल में बतौर लीड रोल में दिखीं। एक्ट्रेस ने टीवी के कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वे साल 2022 से 2023 तक बिग बॉस 16 में दिखीं और उसके बाद साल 2024 में रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी 14 में नजर आईं।

चाहता था कि लोग मुझे डांसर नहीं, एक्टर समझें

अरशद वारसी ने बॉलिवुड की सेफ स्टोरीज, ओटीटी की आजादी, किरदार में उतरने के अपने तरीके और थिएटर के पुराने दिनों को ऐसे अंदाज में याद किया कि हर बात में उनका अनुभव, ह्यूमर और साफगोई चमक उठी। अरशद कहने से नहीं चूकते कि फेल होने से मत डरिए, मजा तो उसी सफर में है।

अपनी शक्ल भूलकर बस किरदार में घुसना है

अरशद वारसी ने कहा, मैंने जब सर्किट का रोल किया था, तब भी बहुत लोग टपोरी टाइप के किरदार कर चुके थे। इस वजह से हमेशा सोचना पड़ता है कि ऑडियंस को नया क्या दे सकते हैं। मेरे लिए यह जरूरी हो जाता है कि अपने काम में ताजगी और ईमानदारी लाऊं। फिल्म भागवत में भी मैंने एक पुलिसवाले की भूमिका निभाई है और इसमें मेरी ईमानदारी साफ दिखाई दे रही है। मेरा मानना है, जब आप दिल से काम करते हो तो वो खुद-ब-खुद अलग नजर आता है। अगर सिर्फ ऊपर-ऊपर से करोगे तो हर किसी का काम एक जैसा लगेगा। यहां आपको अपनी शक्ल, आदतें भूलकर बस किरदार में उतरना है। किरदार पर फोकस रखो, फिर लोग खुद-ब-खुद आपकी तरफ ध्यान देंगे।

मराठी-साउथ की फिल्में बहुत आगे निकल चुकीं

मुझे नहीं लगता कि बॉलिवुड रिस्की स्टोरीज को स्वीकार करने वाली स्थिति तक अभी पहुंचा है। मराठी और साउथ की फिल्में इस मामले में आगे निकल चुकी हैं। वो एक्सपेरिमेंट कर रहे और रिस्क भी बेहिचक ले रहे हैं। हिंदी सिनेमा अब भी बहुत सेफ कहानियों के साथ खेल रहा और कदम फूंक-फूंककर रख रहा है। दरअसल, फिल्म बनाना एक अलग तरह का जोखिम है इसलिए कहानी चुनने में भी ज्यादा सावधानी बरती जाती है। यही वजह है कि मुझे ओटीटी एक कमाल का प्लैटफॉर्म लगता है। इसने इतने सारे टैलंटेड ऐक्टरों को मौके दिए हैं, जिन्हें पहले फिल्मों में जगह ही नहीं मिल पाती थी। फिल्मों में अक्सर एक खास लुक या बॉडी लैंग्वेज देखी जाती है, जो हर कलाकार में नहीं होती। ऐसे कलाकारों के लिए ओटीटी सच में एक ब्लेसिंग है, यहां कहानी भी खुलकर कही जाती है और कलाकार को भी खुलकर जगह मिलती है।

पूरी सच्चाई से सीन को खुद में उतार लो

मैं जब कोई इमोशनल सीन करता हूं तो न मैकेनिकल मैथड अपनाता हूं और न अपनी असल ज़िंदगी की यादों को इस्तेमाल करता हूं। मेरे लिए यह सब बकवास है। लोग पूछते हैं कि मेरा तरीका क्या है, असल में मेरा कोई मैथड ही नहीं होता। आपको बस उस पल की बात को इतनी इंटेंसिटी से भीतर लेना होता है कि वह सच लगने लगे। एक्टिंग यही है कि एक छोटी सी चीज पर इतना यकीन कर लो कि वह आपको और देखने वाले को भी सच महसूस होने लगे। जिस सीन में जो लिखा है, उसे पूरी रूह के साथ अपने अंदर उतार लो, इमोशन अपने-आप बाहर आ जाते हैं।

सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी

मैंने सफलता के अलावा असफलता भी भर-भरकर देखी। इंसान अगर सिर्फ सक्सेस देखे तो जिंदगी का मजा क्या है। जिंदगी में थोड़ी तकलीफ होनी चाहिए। मुझे फेल होने से जरा भी फर्क नहीं पड़ता है।

लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से

अरशद ने कहा, डांसिंग मेरा पैशन है। शुरुआत में जब आया था तो मैंने एक बात कही थी, जो लोगों को बहुत पसंद आई। मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता कि लोग मुझे ऐसे देखें कि ये डांसर है, जो ऐक्टिंग करने की कोशिश कर रहा है। मैं चाहता था कि लोग यह समझें कि ये एक्टर है, जो डांस भी कर सकता है। मैं एक्टिंग के प्रोफेशन में आ रहा था ना कि डांसिंग के प्रोफेशन में जा रहा था। यह बहुत बड़ा फर्क है। मेरी पूरी मेहनत इसी बात पर रही कि लोग मेरी पहचान मेरे अभिनय से करें, ना कि सिर्फ मेरे डांस से।

विदेश यात्रा पर लंदन गए राहुल गांधी.... वहां से जर्मनी जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार सुबह करीब 3:20 बजे नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से लंदन के लिए रवाना हुए। वे बाद में जर्मनी जाएंगे, जहां 17 दिसंबर को बर्लिन में सांसदों और भारतीय प्रवासी समुदाय से उनकी मुलाकात होनी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी के दौरे पर रहने वाले है। वहां वे जर्मन सरकार के अफसरों और भारतीय समुदाय से मुलाकात करने वाले है। राहुल गांधी का पिछले 6 महीनों में यह 5वां विदेश दौरा है। इससे पहले जुलाई से लेकर सितंबर के बीच वे लंदन, मलेशिया, ब्राजील, कोलंबिया की यात्रा पर गए थे। राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आए आईओसी के नेताओं से मुलाकात करने वाले है। आईओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। इस दौरान यूरोप में आईओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख एनआरआई मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेगी।

पराली जलाते समय बुजुर्ग किसान की झुलसकर मौत

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले में धान की पराली जलाते समय 60 वर्षीय किसान की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान गजेंद्र स्वैन के रूप में हुई, जो सुनामुहीन गांव का निवासी था। पुलिस ने बताया कि उसका जला हुआ शव खेत से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि आग पास के एक खेत में फैल गई, जहां से धान की कटाई अभी बाकी थी। पुलिस ने बताया कि स्वैन (जो अकेला था) ने आग को काबू करने की कोशिश की, लेकिन वह खुद आग की चपेट में आ गया। अधिकारी ने कहा, 'उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव लगभग 90 प्रतिशत जल गया था।

पूर्वी दिल्ली के मंदिर में महिला की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मानसरोवर पार्क इलाके में एक मंदिर के अंदर हुई 48 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी मच गई है। मानसरोवर पार्क इलाके में डीडीए फ्लैट परिसर में स्थित एक मंदिर के अंदर, रविवार को दोपहर करीब 12 बजे हुई। पीड़िता कुसुम शर्मा (48), मानसरोवर पार्क निवासी। महिला मंदिर में पूजा कर रही थी, तभी उस पर चाकू से हमला किया गया। पीड़िता के सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर चाकू के कई घाव थे। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना के बाद दिन में ही मुख्य आरोपी आंचल सक्सेना नामक महिला को गिरफ्तार कर लिया। अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती सूचना में बताया गया था कि दो लोगों ने महिला पुजारी पर हमला किया था। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि हिरासत में ली गई महिला सहित दो लोगों ने शर्मा पर बार-बार चाकू से हमला किया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह पुरानी दुश्मनी का मामला प्रतीत होता है। शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) प्रशांत गौतम ने बताया कि मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस हमलावरों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर की करानी पड़ी आपात लैंडिंग

आगरा (एजेंसी)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हेलीकॉप्टर सोमवार को मौसम खराब होने के कारण आगरा के खेरिया हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) प्रशांत तिवारी ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से राजस्थान के भरतपुर जा रहे थे, लेकिन खराब मौसम के कारण पायलट को हेलीकॉप्टर को आगरा की ओर मोड़ना पड़ा। हेलीकॉप्टर ने जयपुर से उड़ान भरी थी। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े 12 बजे खेरिया हवाई अड्डे पर उतरा, जहां मुख्यमंत्री को लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा। तिवारी ने बताया कि मौसम में सुधार होने के बाद हेलीकॉप्टर ने भरतपुर के लिए यात्रा फिर से शुरू की। राजस्थान के भरतपुर और उत्तर प्रदेश के आगरा के बीच करीब 60 किलोमीटर की दूरी है और दोनों की सीमाएं आपस में सटी हुई हैं।

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में घने कोहरे के कारण 61 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घने कोहरे की चादर छाने के कारण कम दृश्यता के चलते 61 उड़ानें रद्द हुई, जबकि 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह 7:05 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 454 था, जो गंभीर श्रेणी में आता है। घने कोहरे के कारण दिल्ली जाने वाली करीब पांच उड़ानों का मार्ग बदला गया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी का अंतिम चरण के लिए दिल्ली आगमन विलंबित हो गया है, क्योंकि घने कोहरे के कारण मुंबई से उनकी उड़ान स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले, दिल्ली हवाई अड्डे ने सोमवार, 15 दिसंबर की सुबह यात्रियों के लिए यात्रा संबंधी सलाह जारी की थी, जिसमें उड़ान संचालन में व्यवधान की चेतावनी दी गई थी। ताजा अपडेट के लिए, यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करने की सलाह दी जाती है। असुविधा के लिए हमें खेद है। एयरलाइन ने पोस्ट में कहा कि दिल्ली में कम दृश्यता और कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर असर पड़ेगा। हम मौसम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और आपको सुरक्षित और सुगम तरीके से आपके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

6.26 करोड़ मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने 6.26 करोड़ रुपए मूल्य की 15 मीट्रिक टन लाल चंदन की लकड़ी जब्त की है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक आरोपियों की योजना लाल चंदन का अवैध रूप से निर्यात करने की थी। मंत्रालय ने बताया कि लाल चंदन की लकड़ियां विभिन्न गोदामों से जब्त की गईं और इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार भी किया है। विदेशी व्यापार नीति के तहत लाल चंदन के निर्यात पर बैन लगा है।

प्रियंका गांधी और प्रशांत किशोर की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में हलचल

– प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से मिली हवा

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर द्वारा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की खबर के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल मची है। दरअसल सियासी गलियारों में यह मुलाकात प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने की अटकलों को फिर से हवा दे रही है। मालूम हो कि बिहार विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी के असफल प्रदर्शन के बाद चुनावी रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर (पीके) की रणनीति पर काफी सवाल उठे। चुनावों के तुरंत बाद पीके ने इस करारी हार की जिम्मेदारी ली और फिर से कोशिश में जुटने का वादा किया था। इसके बाद से उन्होंने मीडिया से दूरी बना ली। लेकिन एक बार फिर से वे सुर्खियों में आ गए हैं। पीके ने कल कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। दिल्ली में हुई इस बैठक ने सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। ख़ास बात ये है कि दिल्ली में हुई यह मुलाकात तीन साल के गहरे राजनीतिक दूरी के बाद हुई है, जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच पुराना संवाद रुका हुआ था। अब इस मुलाकात के बाद सवाल उठाया जा रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होकर एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाना चाहते हैं या यह सिर्फ सियासी बातचीत का हिस्सा है। हालांकि इस बैठक का समय और तरीका दोनों ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात करीब दो घंटे तक चली, जिसमें दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक हालात और भविष्य की संभावनाओं पर बातचीत हुई। इस मुलाकात के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या प्रशांत किशोर कांग्रेस में शामिल होंगे? क्या वे कांग्रेस के साथ किसी तरह का राजनीतिक तालमेल या गठबंधन कर सकते हैं? खासकर तब, जब हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में जनसुराज का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और पार्टी खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं कांग्रेस की स्थिति भी बेहद कमजोर रही और पार्टी सिर्फ 6 सीटों पर सिमट गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद दोनों ही पक्ष नए सिरे से रणनीति तलाश रहे हैं। ऐसे में पीके और प्रियंका गांधी की यह मुलाकात महज शिष्टाचार नहीं, बल्कि भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक योजना का संकेत भी हो सकती है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब प्रशांत किशोर और कांग्रेस को लेकर अटकलें तेज हुई हों। दरअसल, प्रशांत किशोर और कांग्रेस के बीच संबंध इस बैठक से ही शुरू नहीं हुए हैं। लगभग 4 साल पहले कांग्रेस ने उन्हें पार्टी में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। उस समय प्रशांत किशोर ने खुद खुलासा किया था कि सोनिया गांधी ने उन्हें पार्टी के लिए एक प्रेजेंटेशन देने के लिए बुलाया था। उन्होंने बताया था कि करीब 9 घंटे तक उन्होंने अपना विजन और रणनीति पेश की थी, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद थे और अधिकांश सुझावों से सहमत थे। हालांकि पीके ने कांग्रेस में शामिल न होने की वजह भी स्पष्ट की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व उनके प्लान को जमीन पर उतारने के लिए तैयार नहीं था, इसलिए उन्होंने सोनिया गांधी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। पीके का यह भी कहना था कि उनके पास कोई राजनीतिक विरासत नहीं है, इसलिए वे किसी एक व्यक्ति या विचारधारा से बंधकर राजनीति नहीं करना चाहते। अब एक बार फिर पीके और प्रियंका गांधी की मुलाकात ने पुराने सवालों को जिंदा कर दिया है। क्या यह

बातचीत सिर्फ विचार-विमर्श तक सीमित थी या आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति में कोई नया समीकरण देखने को मिलेगा, इस पर सभी की नजर टिकी हुई है। प्रशांत किशोर की बात करें तो उनका राजनीतिक सफर अक्सर बदलावों और नई दिशाओं को अपनाने वाला रहा है- जिसका श्रेय उन्हें रणनीतिक सोच और जन संपर्क क्षमता के रूप में दिया जाता है। प्रशांत किशोर भारतीय राजनीति में एक जाने-माने चुनावी रणनीतिकार हैं, जिन्होंने कई राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की है।

जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू परिवार की सुनवाई फिर टली

-अब अगली सुनवाई में सीबीआई दाखिल करेगी वेरिफिकेशन रिपोर्ट

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी से जुड़े बहुचर्चित मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, मीसा भारती, हेमा यादव, तेज प्रताप यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने की प्रक्रिया फिर टल गई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की 19 दिसंबर तय की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबक सोमवार को हुई सुनवाई में सीबीआई ने कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की। सीबीआई ने कहा कि वह 19 दिसंबर तक सभी आरोपियों से जुड़ी विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल कर देगी। पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने एजेंसी को यही रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे, लेकिन अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस मामले में सीबीआई ने लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी समेत कुल 103 लोगों को आरोपी बनाया है। हालांकि, एजेंसी ने अदालत को बताया कि इनमें से चार आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसी वजह से कोर्ट यह स्पष्ट करना चाहती है कि कौन-कौन आरोपी जीवित हैं और किनके खिलाफ आगे कानूनी कार्रवाई संभव है। इससे पहले 11 दिसंबर को राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप तय करने की सुनवाई को 15 दिसंबर तक टाल दी थी। उस समय कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया था कि वह सभी आरोपियों की वर्तमान स्थिति से संबंधित विस्तृत वेरिफिकेशन रिपोर्ट पेश करे। वहीं 8 दिसंबर को कोर्ट ने सीबीआई को दो दिन का अतिरिक्त समय भी दिया था, ताकि एजेंसी यह साफ कर सके कि किन आरोपियों का निधन हो चुका है और किनके खिलाफ मामला आगे बढ़ाया जा सकता है। सीबीआई ने दाखिल चार्जशीट में गंभीर आरोप लगाए हैं। एजेंसी का कहना है कि इस मामले में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले उम्मीदवारों और उनके परिजनों से जमीन ली गई। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि जमीन की खरीद से जुड़े ज्यादातर लेन-देन नकद में हुए जबकि कुछ मामलों में केवल सेल डीड ही मौजूद हैं। सीबीआई ने इस मामले में आरोप तय करने की मांग की है।

नितिन नबीन की नियुक्ति पर कांग्रेस का तंज... रिमोट कंट्रोल शाह के हाथ में रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने पर तंज कस कंस दिया हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया है कि यह नियुक्ति केवल सांकेतिक है, और पार्टी की असली बागडोर (रिमोट कंट्रोल) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हाथों में ही रहेगी। कार्यकारी अध्यक्ष का पदनाम भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है। इसका अर्थ है कि गैर-कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं। यह नियुक्ति बिना चुनाव के की गई है। कांग्रेस नेता खेड़ा ने आरोप लगाया कि पहले भी ऐसा ही होता आया है, जब नड्डा (पूर्व अध्यक्ष) घूमते-फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन ने सोमवार को दिल्ली पहुंचकर भाजपा मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। उन्होंने अपनी राष्ट्रीय भूमिका

का श्रेय बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद को दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को स्वीकार किया। दिल्ली रवाना होने से पहले, नबीन ने पटना के महावीर मंदिर का दौरा किया और अपने पिता, दिवंगत वरिष्ठ भाजपा नेता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नबीन ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने हमेशा कार्यकर्ताओं को सीखने, काम करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।

कैश कांड मामला: जस्टिस यशवंत वर्मा को जवाब के लिए 6 हफ्ते का दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के बाद जस्टिस यशवंत वर्मा ने आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगा है। कैश कांड की जांच के लिए गठित संसदीय समिति ने उन्हें 6 सप्ताह का और समय देने का फैसला किया है। हालांकि समिति ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि इसके बाद किसी भी तरह का समय विस्तार नहीं दिया जाएगा। माना जा रहा है कि जनवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में इस मामले में आगे की कार्यवाही शुरू हो सकती है।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 12 अगस्त को इस जांच समिति का गठन किया था। जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के समर्थन में लाए गए प्रस्ताव पर 146 सांसदों के हस्ताक्षर थे। इसके समानांतर तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की ओर से भी एक अलग समिति गठित की गई थी। दोनों ही समितियों ने जस्टिस वर्मा के उस दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें बदनाम करने के इरादे से नकदी रखी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अरविंद कुमार की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय समिति इस पूरे मामले की जांच कर रही है। समिति ने जस्टिस वर्मा से उन पर लगे आरोपों को लेकर लिखित जवाब मांगा था। 5 दिसंबर को हुई कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा ने समिति से 8 सप्ताह का अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया था, लेकिन समिति ने विचार-विमर्श के बाद उन्हें केवल 6 सप्ताह का अंतिम अवसर देने का निर्णय लिया।

जांच समिति ने आरोपों के समर्थन में सबूतों के साथ मेमो ऑफ चार्जेस भी दाखिल किया है। इसमें दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग द्वारा 14 और 15 मार्च की रात आग बुझाने के दौरान बनाए गए वीडियो, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। इन सबूतों के आधार पर समिति ने आरोपों को गंभीर माना है। लोकसभा स्पीकर द्वारा गठित समिति की कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा को अपना पक्ष रखने, आरोपों पर सफाई देने और अपने पक्ष में गवाह पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। हालांकि सदन की समिति पहले ही जस्टिस वर्मा की इस दलील को अस्वीकार कर चुकी है कि कैश उन्हें बदनाम करने के उद्देश्य से रखा गया था। समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक और विशेषज्ञों के सबूत यह साबित करते हैं कि नई दिल्ली स्थित 30 तुगलक क्रीसेंट के स्टोररूम में नकदी मौजूद थी। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को केंद्रीय फॉरेंसिक प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है। पैनल ने यह भी दर्ज किया कि 15 मार्च की सुबह जले हुए 500 रुपये के नोटों की गड्डियों को 'भरोसेमंद नौकरों' की मदद से साफ किया गया था और यह पूरी प्रक्रिया जस्टिस वर्मा के निजी सचिव की मौजूदगी में हुई। लोकसभा द्वारा गठित समिति में सुप्रीम कोर्ट के जज अरविंद कुमार, मद्रास

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य शामिल हैं। वहीं, 22 मार्च को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जीएस संधावालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अनु शिवरमन को शामिल किया गया था।

विधायक ने कहा- प्रियंका गांधी को सौंपें लीडरशिप, कांग्रेस ने दिखा दिया बाहर का रास्ता

भुवनेश्वर (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने पूर्व विधायक मोहम्मद मुकीम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके उस पत्र के बाद हुई है जिसमें उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए थे। मुकीम ने राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र पर टिप्पणी की थी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को प्रमुख नेतृत्व भूमिका देने की मांग की थी। ओडिशा प्रदेश इकाई की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि केंद्रीय नेतृत्व ने मुकीम को पार्टी से निकालने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

मुकीम बाराबती-कटक से पूर्व विधायक हैं और खुद को कांग्रेस का आजीवन समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं। उनकी बेटी वर्तमान में विधायक हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में मुकीम ने कहा कि पार्टी मुश्किल दौर से गुजर रही है और नए नेतृत्व की जरूरत है। उन्होंने खरगे की 83 वर्ष की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष की प्रमुख पार्टी के नेता के रूप में आवश्यक मेहनत, दौड़-भाग और लोगों से जुड़ाव संभव नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि खरगे सलाहकार की भूमिका निभाएं और किसी युवा नेता को आगे लाएं। मुकीम ने प्रियंका गांधी सहित अन्य

युवा नेताओं की तारीफ की और कहा कि राहुल गांधी अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं, लेकिन पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय नेतृत्व चाहिए। यह अपील उन्होंने कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ता के रूप में सोनिया गांधी से की।

मुकीम के पत्र में पार्टी नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी पर कड़ी चिंता जताई गई थी। उन्होंने दावा किया कि खुद तीन वर्षों से राहुल गांधी से मिलने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिली। पत्र में ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और हिमंत बिस्वा सरमा जैसे युवा नेताओं के पार्टी छोड़ने का उदाहरण दिया गया, जिन्होंने खुद को उपेक्षित महसूस किया। मुकीम ने सुझाव दिया कि प्रियंका गांधी को केंद्रीय और सक्रिय भूमिका संभालनी चाहिए तथा सचिन पायलट, डी.के. शिवकुमार, ए. रेवंत रेड्डी और शशि थरूर जैसे नेताओं को मुख्य नेतृत्व टीम का आधार बनना चाहिए।

उन्होंने पार्टी की स्थिति पर गहरा दुख व्यक्त किया कि उसकी मौजूदगी भौगोलिक, संगठनात्मक और भावनात्मक स्तर पर सिमटती जा रही है। समर्पित कार्यकर्ताओं के लिए यह निराशाजनक और दिल तोड़ने वाली है। मुकीम ने बिहार, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा जम्मू-कश्मीर के हालिया चुनाव परिणामों को केवल हार नहीं, बल्कि गहरे संगठनात्मक अलगाव का संकेत बताया। इन चुनावों में पार्टी को भारी अंतर से पराजय मिली थी। उन्होंने नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने की बात दोहराई और कहा कि विधायक रहते हुए भी वे राहुल गांधी से नहीं मिल पाए। सोनिया गांधी को लिखे पत्र में मुकीम ने स्पष्ट किया कि यह कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं, बल्कि पूरे देश के कार्यकर्ताओं द्वारा महसूस किए जा रहे भावनात्मक अलगाव का संकेत है। उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के लिए गहन संरचनात्मक, संगठनात्मक और वैचारिक नवीनीकरण की जरूरत पर जोर दिया। यह घटना पार्टी के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करती है और नेतृत्व परिवर्तन की मांग को बल देती है। मुकीम की यह अपील पार्टी के भविष्य और युवा नेतृत्व की भूमिका पर व्यापक बहस छेड़ सकती है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कोहरा बना काल... अलग-अलग हादसों में चार लोगों की मौत

-मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल

फरीदाबाद (एजेंसी)। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर सोमवार को घने कोहरे ने कहर बरपा दिया। फरीदाबाद और नूंह जिलों में अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में चार लोगों की मौत। कई वाहन आपस में टकराए और दस से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में एक सीआईएसएफ का सब इंस्पेक्टर भी शामिल है।

सोमवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा हादसों का कारण बना। दृश्यता बेहद कम होने से वाहन चालकों को आगे का रास्ता नहीं दिखा और एक के बाद एक टक्कर होती चली गई। फरीदाबाद के कैल गांव के पास दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए। हादसा इतना भीषण था कि कार में सवार तीन लोगों में से दो की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। मृतकों में एक की पहचान संदीप कुमार निवासी जयपुर के

रूप में हुई है, जबकि दूसरे मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस स्थान के पास कुछ ही देर बाद दूसरा हादसा भी हुआ। एक कैंटर में पीछे से क्रेटा गाड़ी जा टकराई। गनीमत रही कि क्रेटा चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन उसकी गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जिला नूंह में भी कोहरे ने बड़ा हादसा करा दिया। सुबह करीब चार बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर करीब 30 वाहन आपस में भिड़ गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला के राजकीय अस्पताल मांडीखेड़ा में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मरने वालों में सीआईएसएफ के सब इंस्पेक्टर हरीश कुमार निवासी अलवर और जयपुर निवासी कारोबारी खलील अहमद शामिल हैं। कुछ स्थानों पर ट्रक पलटने की भी सूचना है, जिससे यातायात काफी देर तक बाधित रहा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने का आरोप लगाया।

दुनिया भर में चुनाव और राजनीतिक उथल-पुथल: कई देशों में जनता ने तख्ता पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2025 का साल दुनिया के कई देशों के लिए राजनीतिक उतार-चढ़ाव और महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। साल के अंत तक कई देशों में चुनाव संपन्न हो चुके हैं। कुछ देशों में जनता ने लोकतांत्रिक तरीके से सरकार चुनी, जबकि अन्य जगहों पर गंभीर संकट और विरोध-प्रदर्शन के बाद सत्ता में बदलाव हुआ। इस साल वैश्विक राजनीति में कई बार तनावपूर्ण हालात बने, और कुछ देशों में चुनाव के बाद हिंसा भी भड़की। आइए जानते हैं कि 2025 में किन देशों में चुनाव हुए और उनके नतीजों के बाद क्या परिस्थितियां बनीं। तंजानिया में 20 अक्टूबर को आम चुनाव आयोजित हुए, जिसमें सामिया सुलुह हसन ने दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभाला। हालांकि, चुनाव के बाद हिंसा भड़की, जिसमें करीब 700 लोगों की मौत की खबरें आईं। कैमरून में 12 अक्टूबर को चुनाव हुआ, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति पॉल बिया फिर से सत्ता में लौटे।

कनाडा में 28 अप्रैल को संघीय चुनाव संपन्न हुआ। इसमें मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी ने जीत हासिल की, और वह फिर से प्रधानमंत्री बने। यह स्थिति उस समय बनी जब जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में 3 मई को चुनाव हुआ, जिसमें लेबर पार्टी ने जीत हासिल की और एंथनी अल्बनीज फिर से प्रधानमंत्री बने। जर्मनी में 23 फरवरी को चुनाव संपन्न हुए, जिसमें फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) ने 20.8 फीसदी वोटों के साथ जीत हासिल की। बेलारूस में 26 जनवरी को हुए चुनाव में अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने लगातार सातवीं बार जीत दर्ज की। उन्हें 86.8 फीसदी वोट मिले, हालांकि चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठाए गए।

मिस्र में चुनाव दो चरणों में हुए; पहला चरण 10-11 नवंबर और दूसरा 24-25 नवंबर को संपन्न हुआ, लेकिन अभी तक नतीजा घोषित नहीं हुआ है। फिलिपींस में 12 मई को मिडटर्म चुनाव संपन्न हुए, जबकि देश का आम चुनाव 2028 में होगा। अर्जेंटीना में इस साल मिडटर्म चुनाव हुए, जिसमें राष्ट्रपति जाविएर मिलेई की पार्टी ला लिबरटेड अवांजा (एलएलए) ने बड़ी जीत दर्ज की। जापान के निचले सदन में जुलाई में चुनाव हुआ, जिसमें सत्ताधारी पार्टी एलडीपी को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शिगेरु इशीबा ने अपने पद से इस्तीफा दिया और एलडीपी से साने ताकाइची को बहुमत के साथ प्रधानमंत्री चुना गया।

नेपाल में जेन जेड के हिंसक प्रदर्शन के बाद केपी ओली की सरकार गिर गई। इसके बाद सुशीला कार्की की अंतरिम सरकार ने जिम्मेदारी संभाली। यहां अगले साल मार्च में आम चुनाव आयोजित होने की संभावना है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 में संपन्न हुआ था, लेकिन इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ कयास लगाए गए थे कि 2025 में आम चुनाव हो सकता है, लेकिन यहां आम चुनाव फरवरी 2026 में निर्धारित है। साल 2025 ने साबित किया कि दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र और सत्ता परिवर्तन अभी भी चुनौतीपूर्ण और तनावपूर्ण परिस्थितियों में होता है। चुनाव के नतीजे कभी शांतिपूर्ण

बदलाव लाते हैं, तो कभी हिंसा और प्रदर्शन को जन्म देते हैं। इस साल के घटनाक्रम ने वैश्विक राजनीति में निरंतर बदलते परिदृश्य और जनता की सक्रिय भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com